राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 01 जुलाई 2022 वर्ष-5,अंक-156 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पटना के हथुआ मार्केट में लगी भीषण आग, कई दुकानें आई चपेट में; करोड़ों का नुकसान

पटना। बिहार की राजधानी पटना से बड़ी खबर आ रही है। पटना के पॉश बाजार में से एक हथुआ मार्केट में आग लग गई है। आग से कई दुकानें चपेट में आ गई हैं। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। आग बुझाने के प्रयास जारी हैं। बताया जा रहा है कि आकाशीय बिजली गिरने की वजह से एक मोटरसाइकिल में आग लगी। फिर कई दुकानों में आग फैसल गई। आग की वजह से भारी नुकसान होने की खबर है। जानकारी के मुताबिक गुरुवार सुबह पटना के हथुआ मार्केट में स्थित एक दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। उसने कई दुकानों को अपनी जद में ले लिया। स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम तत?काल मौके पर पहुंच गई। आग इतनी भयावह है कि उसपर काबू पाने के लिए अग्निशमन दल के जवानों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पटना में अलसुबह मौसम खराब होने की वजह से बिजली कड़क रही थी। हथुआ मार्केट में ठनका गिरने से एक मोटरसाइकिल में आग लग गई। उसके पास मौजूद दुकान ने आग पकड़ ली। इसके बाद देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और कई दुकानें इसकी चपेट में आ गईं। हालांकि प्रशासनिक और अग्निशमन के अधिकारियों ने आकाशीय बिजली की वजह से आग लगने की बात की पुष्टि नहीं की है। उनका मानना है कि किसी दुकान में शॉर्ट सर्किट भी आग की वजह हो सकता है। आग पर काबू पाने के बाद इसके कारण का पता लगाया जाएगा। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मगर दुकानों में रखे सामान जलने से करोड़ों रुपये का नुकसान हो गया है।

कन्हैयालाल हत्याकांडः रियाज का साजिश वाला कमरा सीज, बीवी भी थी हमराज?

उदयपुर में कन्हैयालाल टेलर हत्याकांड के मुख्य आरोपी मोहम्मद रियाज अत्तारी के किशनपोल स्थित किराये के मकान को पुलिस ने सीज कर दिया है। पुलिस ने मकान मालिक और पड़ोसियों से भी लंबी पूछताछ की है।

उदयपुर। उदयपुर में कन्हैयालाल टेलर हत्याकांड के मुख्य आरोपी मोहम्मद रियाज अत्तारी के किशनपोल स्थित किराये के मकान को पुलिस ने सीज कर दिया है। पुलिस ने मकान मालिक और पड़ोसियों से भी लंबी पूछताछ की है। घटना के बाद से आसपास रहने वाले लोग सहमे हुए हैं। बताया जा रहा है कि रियाज ने इसी मकान में हत्या की साजिश रची थी और वारदात से पहले उसने बीवी-बच्चों को कहीं छिपा दिया।

एएसपी गोपाल स्वरूप मेवाड़ा के नेतृत्व में टीम ने करीब 2 घंटे तक घर के कमरों की जांच की। इसके बाद कमरों को सीज कर दिया गया। पुलिस ने रियाज के उस कमरे की भी तलाशी ली, जहां इस हत्याकांड की साजिश रची गई। मूल रूप से भीलवाड़ा में आसींद के रहने वाले रियाज ने यहां मेन रोड पर ट्रक ड्राइवर मोहम्मद उमर के घर में रूम किराये पर लिया था।

मकान के मालिक उमर ने बताया कि उन्हें सोशल मीडिया के जरिए पता चला था कि रियाज ने किसी को सरेआम मार दिया है। इसके बाद पुलिस उन्हें भी थाने ले गई। कुछ देर पूछताछ के बाद छोड़ दिया। उमर ने बताया कि रियाज की पत्नी कमरा किराये लेने आई थी। पहले वो इसी इलाके में टीटू भाई के मकान में किराये पर रहता था। 12 जून को ही वो यहां शिफ्ट हुआ था।

नूपुर शर्मा के समर्थन पर उदयपुर में कन्हैया लाल का रेता गला, क्या बोले सचिन पायलट

वारदात से पहले ही आरोपी का परिवार किसी रिश्तेदार के यहां चला गया है। रियाज के 13 वर्ष की बेटी व 11 वर्ष का बेटा है। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या रियाज की बीवी को भी इस साजिश के बारे में जानकारी थी? यदि वह इसमें शामिल नहीं थी तो पुलिस की जांच में सहयोग के लिए सामने क्यों नहीं आ रही है? या कन्हैया की हत्या से पहले उसने पुलिस को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी।

> एएसपी गोपाल स्वरूप मेवाड़ा के नेतृत्व में टीम ने करीब 2 घंटे तक घर के कमरों की जांच की। इसके बाद कमरों को सीज कर दिया गया। पुलिस ने रियाज के उस कमरे की भी तलाशी ली, जहां इस हत्याकांड की साजिश रची गई। मूल रूप से भीलवाड़ा में आसींद के रहने वाले रियाज ने यहां मेन रोड पर ट्रक ड्राइवर मोहम्मद उमर के घर में रूम किराये पर लिया था।

संजय राउत ने उद्धव ठाकरे के इस्तीफे पर कहा, महाराष्ट्र ने एक सभ्य मुख्यमंत्री खोया

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने बुधवार रात कहा कि महाराष्ट्र ने उद्धव ठाकरे के रूप में एक समझदार और सभ्य मुख्यमंत्री खो दिया है, जिन्होंने शालीनता से पद छोड़ दिया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार को कहा कि उनकी रुचि 'संख्याबल के खेल' में नहीं है और इसलिए वह अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। राउत ने ट्वीट किया, ''मुख्यमंत्री (उद्धव ठाकरे) ने शालीनता से पद छोड़ दिया है। हमने एक समझदार और सभ्य मुख्यमंत्री खो दिया है।'' राउत ने कहा कि वे शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की विरासत को आगे बढ़ाएंगे और जेल जाने को तैयार हैं।

उन्होंने कहा, ''धोखेबाजों का अंत कभी अच्छा नहीं होता और इतिहास इसे साबित कर सकता है। अब, यह शिवसेना की भारी जीत की शुरुआत है। हम लाठियों का सामना करेंगे, जेल जाएंगे लेकिन बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना को जिंदा रखेंगे।'' राउत ने यह भी कहा कि वह 2019 में मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के लिए बाल ठाकरे के बेटे उद्धव को राजी करने के लिए राकांपा प्रमुख शरद पवार के भी आभारी हैं। उन्होंने कहा, ''पवार ने अपना मार्गदर्शन दिया। जब उनके (उद्धव ठाकरे) लोग (शिवसेना के बागी विधायक) उनकी पीठ में छुरा घोंप रहे थे, पवार मजबूती से उद्धव के पीछे खड़े रहे।'' राउत ने कहा कि कांग्रेस नेता हमेशा सरकार के साथ रहे। उन्होंने कहा, ''सत्ता आती-जाती है और यहां कोई भी स्थायी रूप से सत्ता में रहने के लिए नहीं है।'' उन्होंने यह भी कहा कि न्याय अवश्य होगा। राउत ने कहा, ''यह अग्निपरीक्षा का समय है। ये दिन जल्द ही बीत जाएंगे।'' इससे पहले उन्होंने कहा था कि ठाकरे जिम्मेदारी से भागने वाले नहीं हैं और वह अंत तक लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि शिवसेना फिर से उठेगी और एक शिवसैनिक फिर से मुख्यमंत्री बनेगा। उन्होंने कहा, ''उद्धव ठाकरे हमारे नेता हैं। उन्हें जिस तरह का समर्थन है..वह अंत तक लड़ेंगे।'' राउत ने भाजपा का नाम लिए बिना कहा कि जो सत्ता हथियाना चाहते हैं वे ऐसा कर सकते हैं लेकिन भविष्य शिवसेना का होगा। ऐसे में जब उच्चतम न्यायालय शिवसेना की अर्जी पर सुनवाई कर रहा था जिसमें उसने शक्ति परीक्षण कराने को चुनौती दी थी, ठाकरे ने कैबिनेट की एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि उन्हें उनके अपनों ने ही धोखा दिया।

न्यायालय ने नवाब मलिक व अनिल देशमुख को शक्ति परीक्षण में भाग लेने की अनुमति दी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जेल में बंद राकांपा विधायकों-नवाब मलिक और अनिल देशमुख को महाराष्ट्र विधानसभा में होने वाले शक्ति परीक्षण में भाग लेने की बुधवार को अनुमति दे दी। शक्ति परीक्षण बृहस्पतिवार को होना है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे. बी. परदीवाला की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि जांच एजेंसियां सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय जेल में बंद राकांपा विधायकों मलिक और देशमुख को शक्ति परीक्षण के लिए विधानसभा लाएंगी और कार्यवाही समाप्त होने के बाद उन्हें वापस न्यायिक हिरासत में पहुंचा देंगी। पीठ ने कहा, हम याचिकाकर्ताओं को कल यानी 30 जून, 2022 को सुबह 11 बजे आहूत महाराष्ट्र विधानसभा के विशेष सत्र में भाग लेने की अनुमति देते हैं। आवेदक याचिकाकर्ता अभी प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई द्वारा उनके खिलाफ दर्ज मामलों के तहत न्यायिक हिरासत में हैं, इसलिए दोनों एजेंसियों को निर्देश दिया जाता है कि याचिकाकर्ताओं को विधानसभा कक्ष तक ले जाया जाए और कार्यवाही समाप्त होने के बाद,

आवेदकों को न्यायिक हिरासत में वापस पहुंचा दिया जाए।'' पीठ ने महाराष्ट्र सरकार के वकील को न्यायालय अदालतआदेश से सभी संबंधित अधिकारियों को अवगत कराने का निर्देश दिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शुरुआत में मलिक और देशमुख के अनुरोध का विरोध करने की कोशिश की और कहा कि उन्होंने सर्वोच्च अदालत के पहले के आदेश को रिकॉर्ड में नहीं रखा है। विधायकों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि यह रिकॉर्ड में है और विधान पार्षद (एमएलसी) चुनावों के संदर्भ में पारित किया गया था। पीठ ने तब मेहता से कहा, यह कोई चुनाव नहीं है, यह सदन में शक्ति परीक्षण है। उन्हें भाग लेने दें, वे निर्वाचित विधायक हैं। अन्यथा, यह एक खतरनाक उदाहरण बनेगा क्योंकि तत्कालीन सरकार अपनी स्थिति का दुरुपयोग करने की कोशिश कर सकती है और विपक्षी नेताओं को जेल में डाल सकती है।'' महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सर्वोच्च अदालत सामान्य समय के बाद भी बैठी तथा पीठ ने रात 9.15 बजे आदेश पारित करने के बाद मलिक और देशमुख की याचिकाओं का निपटारा किया। इससे पहले अधिवक्ता सुधांशु एस चौधरी ने कहा कि दोनों विधायकों पर धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत मामले दर्ज किए गए हैं और वे जेल में हैं।

शिवसेना के बागी विधायक बालाजी किनिकर को मिली जान से मारने की धमकी

ठाणे। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के बागी विधायक खेमे में शामिल अंबरनाथ से विधायक बालाजी किनिकर को जान से मारने की धमकी मिली है, जिसके बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने वीरवार को यह जानकारी दी। दिन में पहले ठाणे जिले के अंबरनाथ में किनिकर के कार्यालय में गुमनाम पत्र प्राप्त हुआ।पुलिस के एक अधिकारी ने पत्र के हवाले से कहा कि इसमें आरोप लगाया गया है कि किनिकर अंबरनाथ में शिवसैनिकों को 'परेशान' कर रहे हैं और इसलिए एक दिन उन्हें जान से मार दिया जाएगा। पत्र प्राप्त करने वाले किनिकर के निजी सहायक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद मामले की जांच की जा रही है। इस बीच, अंबरनाथ में किनिकर को 'विश्वासघाती' बताने वाले पोस्टर सामने आए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में सुहाना हुआ मौसम, सुबह-सुबह बारिश और तेज हवाओं ने गर्मी से दिलाई निजात

नई दिल्ली। पिछले कई दिनों से गर्मी और उमस से परेशान दिल्लीवासियों के लि गुरुवार सुबह राहत लेकर आई। ठंडी हवाएं और बारिश की बौछारों के साथ आखिरकार मानसून ने राजधानी में दस्तक दे दी। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में सुबह से झमाझम बारिश ने मौसम को सुहाना बना दिया है। विभाग की मानें तो बारिश और ठंडी हवाओं के कारम तापमान में छह से सात डिग्री की कमी आ सकती है।

दिल्ली में मानसून के दस्तक देने की संभावना थी। विभाग ने अनुमान जताया था कि दिल्ली में 29 या 30 जून को मानसून दस्तक दे सकता है। आज बारिश से उम्मीद जताई जा रही है मानसून राजधानी पहुंच गया है। आज 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। विभाग के अनुसार दो से चार जुलाई तक हल्की बारिश होगी। पांच जुलाई से तेज बारिश होगी।

तीन दिन बारिश के आसार

मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिन राजधानी दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में हल्की से लेकर मध्यम बारिश के आसार हैं। तेज हवा के साथ होने वाली बारिश की संभावना को देखते हुए मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। दिन भर की गर्मी के बाद शाम छह बजे के बाद दिल्ली के मौसम में बदलाव देखने को मिला। बादल और ठंडी हवाओं ने लोगों को गर्मी से हल्की राहत प्रदान की। मौसम विभाग का अनुमान है कि गुरुवार के दिन दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होगी। इस दौरान हवाकी गति भी 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रह सकती है। इसे देखते हुए मौसम विभाग की ओर से ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। शुक्रवार और शनिवार के दिन भी बीच-बीच में हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की मांग

उदयपुर हत्याकांड के दोषियों को मिले मौत की सजा

नई दिल्ली। उदयपुर में एक टेलर की हुई जघन्य हत्या पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने भी नाराजगी जताई है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की मांग है कि इस वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को मौत की सजा दी जानी चाहिए क्योंकि यह आरोपी किसी आतंकवादी और शैतान से कम नहीं हैं। मंच ने यह भी कहा कि सरकार को इस मामले में एक फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करना चाहिए और इस बर्बर अपराध के लिए फांसी दी जानी चाहिए।

दरअसल, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के देशभर के सभी पदाधिकारियों, राष्ट्रीय संयोजकों, सह संयोजकों, सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों एवं प्रभारियों की एक ऑनलाइन बैठक में सभी ने इस हत्या की निंदा करते हुए सरकार से दोषियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है। मंच के राष्ट्रीय संयोजक मोहम्मद अफजाल और शाहिद अख्तर ने सभी से शांति और भाईचारा बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि देश के सभी लोगों को धर्म, जात, समुदाय से ऊपर उठ कर नफरत को करारी शिकस्त देने के लिए काम करना है।

मंच के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी शाहिद सईद ने कहा कि मजहब के नाम पर नासूर बन चुके लोगों का ऑपरेशन खात्मा होना चाहिए क्योंकि

ऐसे असामाजिक तत्वों के कारण देश के मुसलमानों और इस्लाम को कटघरे में खड़ा होना पड़ता है। जबकि इस्लाम सलामती, भाईचारा और अमन का मजहब है। इतना ही नहीं बैठक में यह भी बताया गया देश के प्रधानमंत्री को जिस भाषा में धमकी दी गई है उसे बर्दास्त नहीं किया जा सकता है और देश ऐसे गद्दारों को कठोर से कठोर सजा देने के पक्ष में है।

ठोक के मारेंगे, कन्हैयालाल के मर्डर पर गहलोत के मंत्री, कहा- खौला रहा मेरा खून -उधर टेलर कन्हैयालाल की बर्बरता से हत्या के बाद चौतरफा इसकी आलोचना हो रही है। हत्या की जांच में अब तक जो खुलासे हुए हैं उसमें पाकिस्तान लिंक भी सामने आया है। घटना को अंजाम देने वाले दो आरोपियों का कनेक्शन काराची बेस्ड सुन्नी इस्लामिक संगठन दावत-ए-इस्लामी से है। हालांकि इस मामले में पाकिस्तान की तरफ से बयान भी सामने आया और कहा है कि आरोप बेबुनियाद हैं।

बता दें कि दोनों आरोपियों के खिलाफ यूएपीए के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है और केस को एनआईए के हवाले किया गया है। बता दें कि घटना को अंजाम देने के बाद उदयपुर से भागे आरोपियों को राजस्थान पुलिस ने राजसमंद जिले में नाका लगाकर दबोचा। दोनों आरोपी अजमेर शरीफ दरगाह की ओर बढ़ रहे थे और वहां एक अन्य वीडियो शूट करने वाले थे। कन्हैया की हत्या के तुरंत बाद इन्होंने हमले और इसकी जिम्मेदारी लेते हुए वीडियो वायरल कर दिए थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार — कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। - हरिवंश राय बच्चन

संपादकीय

ये शैतान कब दंडित होंगे?

(लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

उदयपुर में एक हिंदू दर्जी की हत्या करनेवाले दो मुसलमानों के खिलाफ पूरे देश में भयंकर गुस्सा फैला हुआ है। लेकिन भारत की जनता को सलाम कि उसने प्रतिहिंसा का रास्ता अख्तियार नहीं किया है। अनेक प्रमुख हिंदू और मुसलमान नेताओं ने कड़े शब्दों में इस हत्याकांड की भर्त्सना की है। कई आतिवादी समझे जानेवाले मुस्लिम नेताओं ने उन दोनों हत्यारों को कठोरतम दंड देने की मांग की है। उन दोनों हत्यारों को उन्होंने इंसान नहीं, शैतान बताया है। यह भी ध्यातव्य है कि अनेक उग्र हिंदूवादी नेताओं ने भी इस मौके पर विलक्षण संयम का परिचय दिया है। इस हत्याकांड ने सारी दुनिया में इस्लाम को तो कलंकित कर दिया है लेकिन भारत की सहनशीलता की छवि सबके हृदय पर अंकित कर दी है। अनेक पश्चिमी और पूर्वी दुनिया के देशों से मेरे मित्रों के फोन आए। उनमें हिंदू, मुसलमान, ईसाई, बौद्ध और यहूदी सभी शामिल हैं। सब ने एक स्वर में इस हत्याकांड की निंदा की है। अरब देशों के कुछ मुस्लिम मित्रों ने मुझे बताया कि जो घृणित काम उदयपुर में हुआ है, उसकी अनुमति किसी मुस्लिम देश में भी नहीं है। इस्लाम में इस तरह का जघन्य अपराध करने की इजाजत किसी भी शख्स को नहीं है। इन दोनों हत्यारों का संबंध सउदी अरब और पाकिस्तान से भी बताया जा रहा है। ये दोनों हत्यारे इन देशों में जाकर रहे हैं और वहां उन्होंने दावते-इस्लाम और तहरीके-लबायक जैसे उग्रवादी संगठनों से भी सांठ-गांठ की है। इस मामले में सच्चाई क्या है, यह तो जांच से आगे-आगे पता चलेगा लेकिन इस घटना से भारत और सभी मुस्लिम देशों को यह सबक क्यों नहीं लेना चाहिए कि उन सब संस्थाओं और संगठनों से अपने देशों को मुक्त करें, जो मजहब के नाम पर इतने जघन्य अपराधों के लिए लोगों को प्रेरित करते हैं। इसी संदर्भ में सभी मदरसों पर भी प्रबुद्ध मुसलमानो को कड़ा नियंत्रण रखना होगा। सभी धर्मों के सर्वोच्च अधिकारियों को या तो अपने-अपने धर्मग्रंथों की ऐसी बातों को छांट देना चाहिए, जो देश और काल के विपरीत हो गई हैं या उनकी व्याख्या इस तरह से करनी चाहिए कि जो देश और काल के अनुकूल हो। जहां तक हमारे राजनीतिक नेताओं का सवाल है, उनकी प्रतिक्रिया तो बहुत ही दुखद है। हत्या-पीड़ित परिवार के लिए सहानुभूति व्यक्त करना तो उचित है लेकिन इस हत्याकांड को लेकर नेतागण एक-दूसरे पर जो कीचड़ उछाल रहे हैं, वह बिल्कुल भी उचित नहीं है। हमारे नेता इस घटिया राजनीति का सहारा लेने की बजाय यदि भारत की जनता में धार्मिक, सांप्रदायिक और जातीय सहिष्णुता का भाव प्रोत्साहित करें ताकि ऐसे हत्याकांडों की पुनरावृत्ति भारत में कभी हो ही नहीं। सभी दलों के नेताओं को ऐसा प्रयत्न क्यों नहीं करना चाहिए कि इस तरह के हत्यारों को, जो अपने कुकर्म के खुद गवाह हैं, और जिन्होंने अपना वीडियो खुद बनाया है, उन्हें हफ्ते-दो-हफ्ते में ही ऐसी सज़ा दी जाए कि जिसे देखकर भावी अपराधियों के रोंगटे खड़े हो जाएं।

खाद्य मुद्रास्फीति नहीं 'लालचस्फीति' से महंगाई

देविंदर शर्मा

मुंबई के इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च (आईजीआईडीआर) की छात्र-पत्रिका के लिए साक्षात्कार में मुझसे पूछा गया कि खाद्य मुद्रास्फीति को नाथने हेतु क्या उपाय हो सकते हैं। यह प्रश्न कोई नया नहीं है, क्योंकि हर किसी के मन में यही सवाल होता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से लेकर किसी टीवी चैनल के वार्ता पैनलों पर या अखबारों में मुद्रास्फीति पर खबरें देखें तो यह ऊपर उठती खाद्य मुद्रास्फीति है, जिसे विकास-गाथा में खलनायक की तरह पेश किया जाता है। हमारे दिमागों में यह भर दिया गया है, चूंकि भोजन एक मूल आवश्यकता है, इसलिए इसकी कीमतों में बढ़ोतरी को मैक्रो-इकोनॉमिक सूचकांक के 4 फीसदी अंतराल (दो फीसदी ऊपर या दो प्रतिशत नीचे) के अंदर बनाए रखना जरूरी है। इसलिए जब कभी नए फसल खरीद मूल्य घोषित किए जाते हैं, साल में दो मर्तबा यानी रबी और खरीफ की फसल के लिए, तब-तब मीडिया में बढ़ती खाद्य मुद्रास्फीति का हौवा उठ खड़ा होता है। इस साल भी, जब खरीफ फसलों का मूल्य घोषित हो रहा था, एक सवाल बार-बार टीवी चैनलों (और अखबारों में भी) चला हुआ था कि क्या इससे खाद्य मुद्रास्फीति पैदा नहीं होगी? हालांकि, खरीफ की 14 में 11 जिन्सों के लिए मूल्य घोषित हुए, वे मुद्रास्फीति वाले मूल्य से भी कम थे, फिर भी फसल खरीद मूल्य में मामूली बढ़ोतरी को मुद्रास्फीति पर दबाव के लिए जिम्मेवार मानकर अंगुलियां उठाई जा रही थीं। यह सर्वविदित है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाद्य वस्तु वाला अवयव लगभग 45 प्रतिशत है। लेकिन कई बार हैरानी होती है कि मकान- चाहे अपना हो या किराए का- वहां रहने के खर्च पर किसी परिवार की मासिक आय का एक बड़ा हिस्सा खप जाता है, इस तत्व को क्यों नहीं मुद्रास्फीति सूचकांक की गणना करते वक्त शामिल किया जाता। इसी तरह पर्यटन-तफरीह, धीरे-धीरे ऊपर उठती तेल कीमतें, हवाई, रेल एवं टैक्सी सेवा के गतिशील मूल्य, जिन पर होने वाला खर्च किसी औसत परिवार के रसोई-व्यय से कहीं अधिक होता है, उन्हें भी मुद्रास्फीति सूचकांक की गणना करते वक्त क्यूं नहीं गिना जाता। कुछ दिन पहले, जिस रोज श्रीनगर से अधिकांश उड़ानें स्थगित कर दी गई थीं, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने लगातार बढ़ते हवाई यात्रा किराए को खुली लूट बताया था। अधिकांश लोग मुम्बई-दिल्ली के बीच एकतरफा हवाई किराया यानी 25000 रुपये को अत्यधिक नाजायज बताते हैं। इसलिए, मुद्रास्फीति असल में कौन-सी चीज बनाती है, उसका पुनः निर्धारण होना चाहिए और महंगाई के लिए जिम्मेवार विभिन्न अवयवों के मुताबिक उनकी हिस्सेदारी तय की जाये। यहां जो मैं कहना चाहता हूं, वह यह है कि टैक्सी सेवा उपलब्ध करवाने वाले मंच (ओला या उबर) सुबह के वक्त- यहां तक कि 6 बजे के ठीक-ठाक उजाले में भी- किराया बढ़ाकर लेते हैं, लेकिन वहीं जब टमाटर के दाम 20 से 40 रुपये हो जाएं तो आसमान टूट पड़ता है, जबकि टमाटर के बढ़े दाम का भार भी किसी परिवार पर चीनी की एक किलोग्राम कीमत जितना भी नहीं पड़ता। भरे दिन में भी ओला-उबर कई बार 'सर्ज' लगा किराया वसूलते हैं, लेकिन गुस्सा सिर्फ टमाटर के दाम बढ़न` पर बनता है। तो इस तरह हमारे दिमागों को पट्टी पढ़ा दी गई है। हमें यकीन दिलवाया जाता है कि मूल्य उत्पादन-आपूर्ति में फर्क आने से बढ़े हैं लेकिन सामान्यतः हम लोग अहसास ही नहीं कर पाते कि एक तीसरा छिपा अवयव भी है-हेराफेरी। ऐसे मौके भी हैं जब प्याज़ के उत्पादन में महज 4 प्रतिशत की कमी होने पर देश के कई हिस्सों में खुदरा मूल्य 600 गुणा से ज्यादा बढ़ा दिए गए। इस बारे में तमिलनाडु में जैविक खेती करने वाले एमजे प्रभु की बात सुनें- 'मैं अपने बगीचे से प्रति नारियल 8 रुपये बेचता हूं, बिचौलिया आगे इसे 28 रुपये में तो गली का रेहड़ी वाला या दुकानदार प्रति नारियल भाव 50 से 55 रुपये वसूलता है। यह आपूर्ति श्रृंखला चलाने वालों का लालच है, जिसकी वजह से नारियल का भाव खेत से उपभोक्ता के बीच 7 गुणा बढ़ जाता है। अतएव खाद्य-मुद्रास्फीति का ज्यादा संबंध खेत में लगी कीमत से न होकर बीच वालों की मुनाफाखोरी से है।' किसी सुपर मार्किट में जाएं और कीमतों का विश्लेषण करें, तो एक नया चलन बड़े पैकेटों पर साफ दिखाई देता है। सामान्यतः अर्थशास्त्र नियम कहता है कि बड़े पैमाने पर प्रसंस्करण कर बनाए खाद्य पदार्थों की कीमतें अपेक्षाकृत कम होती हैं। लेकिन गौरतलब है कि पिछले तीन महीनों में बड़े पैकेटों की श्रेणी में 62 प्रतिशत उत्पादकों ने मूल्य बढ़ा दिया। क्यों? किसी को नहीं पता। उदाहरणार्थ टाटा गोल्ड चायपत्ती के 100 ग्राम वाले पैकेट की खुदरा कीमत 40 रुपये है तो 500 ग्राम वाला 310 रुपये में मिल रहा है, जबकि आदर्श स्थिति में 500 ग्राम टाटा गोल्ड चायपत्ती 200 रुपये में मिलनी चाहिए। तेजी से बिकने वाली रोजमर्रा की अधिकांश वस्तुएं- मसलन साबुन, टुथपेस्ट व हेयर ऑयल इत्यादि- इनके मामले में, जहां कहीं लोकप्रिय ब्रांडों ने कीमतें नहीं बढ़ाई तो चतुराई से पैकेट के भार में कमी कर दी। जहां उपभोक्ता को अपनी जरूरी वस्तुओं के लिए बारम्बार 10 प्रतिशत अधिक दाम चुकाने पड़ रहे हैं वहीं इन्हें बनाने वाली कंपनियों की रिपोर्टों में मुनाफा वृद्धि साल-दर-साल 40 फीसदी की कुलांचें भर रही हैं। यह वैश्विक चलन है। अमेरिका में कॉर्पोरेट जगत का मुनाफा पिछले 70 सालों में सबसे अधिक रहा जबकि वार्षिक मुद्रास्फीति दर मई माह में 8.6 फीसदी छू गई, जो कि पिछले 41 सालों की सबसे ज्यादा है। रोजमर्रा की वस्तुओं का व्यापार करने वाली 2000 अमेरिकी कंपनियों का मुनाफा कोविड महामारी से पहले की अवधि के मुकाबले कहीं ज्यादा रहा है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार खाद्य वस्तु बनाने वाले अरबपतियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। हैरानी यह है कि जहां कृषि से होने वाली कमाई में कहीं भी इजाफा नहीं हुआ वहीं खुदरा कीमतें पहले ही बहुत ज्यादा बढ़ा दी गईं। यहां तक कि रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले ही अनुमान के आधार पर वैश्विक कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई, जिन्होंने वर्ष 2007-08 में बनी खाद्य किल्लत के समय के मूल्यों को भी पछाड़ दिया। इसलिए महंगाई के लिए खाद्य मुद्रास्फीति को जिम्मेवार ठहराना सरासर नाइंसाफी है। ऐसे अवसर कम हैं जब किसानों को अदा की कीमतों में बढ़ोतरी से खुदरा खाद्य मूल्यों में अप्रत्याशित उछाल आया हो, सिवाय जब आपूर्ति कम हुई हो। यह सीधा-सीधा बिचौलियों का लालच है, जिसमें कृषि-संबंधी वस्तुओं का व्यापार करने वाली महाकाय कंपनियां भी शामिल हैं, जो हेराफेरी से जब चाहे कीमतें बढ़ा देती हैं। ओईसीडी-आईसीआरआईईआर का अध्ययन बताता हैं कि 2000-2016 के बीच 16 सालों में किसानों को 45 लाख करोड़ का घाटा हुआ है। इस अवधि में जब भारतीय किसानों को अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों से 16 फीसदी कम दाम मिल रहा था तब कायदे से खाद्य मुद्रास्फीति ऋणात्मक रहनी चाहिए थी, किंतु वह अपने पुराने स्तर पर बनी रही। अतएव यही समय है जब खाद्य मुद्रास्फीति का नाम बदलकर 'लालचस्फीति' कर दिया जाए।

लेखक कृषि एवं खाद्य विषयों के विशेषज्ञ हैं।

(1 जुलाई) अंतर्राष्ट्रीय फल दिवस

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

अंतर्राष्ट्रीय फल दिवस उन सभी लोगों को संबोधित करता है जो सकारात्मक जीवन स्थितियों का निर्माण और संरक्षण करते हैं। 2007 में घोषित किया गया और पहली बार बर्लिन में वॉल पार्क में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय फल दिवस प्रतिवर्ष 1 जुलाई को दुनिया भर में कई स्थानों पर होता है जहां लोग अपने पसंदीदा फल दूसरों के साथ साझा करते हैं। फल, एक फूल वाले पौधे का मांसल या सूखा पका हुआ अंडाशय, बीज या बीज को घेरता है। इस प्रकार, खुबानी, केला, और अंगूर, साथ ही बीन फली, मकई के दाने, टमाटर, खीरे, और (उनके गोले में) बलूत का फल और बादाम, सभी तकनीकी रूप से फल हैं।

क्या आप फल खाने का सही समय जानते हैं? दरअसल, ज्यादातर लोगों को फल खाने के सही समय को लेकर कंफ्यूजन रहता है कि आखिरकार वो फल किस समय खाएं?

फल खाने को लेकर कई सारी कहानियां भी बताई जाती हैं। जैसे की सीता मां ने वनवास में फल खाकर ही अपना जीवनयापन किया था। कहा जाता है कि फल में वो औषधीय गुण होते हैं, जिसे खाने से कैंसर जैसी बीमारी भी दूर भागती है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि फल हमारे शरीर के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण सुपरफूड है, इसलिए दुनियाभर में फलों के महत्व को लेकर 1 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय फल दिवस मनाया जाता है।

इसके फायदे के बारे में बखान सुनकर ज्यादातर लोग फल खाते भी हैं, लेकिन इसमें से अधिकांश लोग ऐसे हैं, जिन्हें फल खाने का सही समय और तरीका नहीं पता होता हैं। ऐसे में वो कभी भी फल खा लेते हैं, जिसकी वजह से इसका पूरा फायदा हमारे बॉडी को नहीं पहुंच पाता है। फल खाने का गलत समय आपको कई बीमारियों की ओर भी ले जा सकता है,

आयुर्वेद के मुताबिक, फल को लेकर ध्यान देने योग्य दो बातें कही गई हैं।

पहला- फल को सुबह एकदम खाली पेट नहीं खाना चाहिए।

दूसरा- भोजन के साथ फल नहीं खाना चाहिए।

शाम को फल खाने से नींद का समय और पाचन प्रक्रिया में गड़बड़ी हो सकती है। इसलिए, आयुर्वेद शाम 4 बजे से पहले या सूर्यास्त से पहले फल खाने की सलाह देता है। फल सरल कार्ब्स होते हैं जिसका अर्थ है कि वे जल्दी से टूट सकते हैं, रक्त शर्करा के स्तर को तुरंत बढ़ा सकते हैं और तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं।

फल खाने का सही समय सुबह नाश्ते के 2 से ढाई घंटे बाद या फिर लंच से 1-2 घंटे पहले हो सकता है। ये समय ज्यादातर लोगों के लिए दोपहर 11 से 12 के बीच का होगा।

फल का सेवन लंच के 1 से 2 घंटे बाद और डिनर के 2 से 3 घंटे पहले भी कर सकते हैं। इन सभी समय को देखे, तो आप कह सकते हैं कि फल खाने का सबसे सही समय स्नैक्स या फिर टी ब्रेक टाइम होता है। ये दिन का ऐसा वक्त होता है, जब अगर आप फल खाते हैं, तो इसका पूरा भोषण तत्व आपके बॉडी को मिलता है।

दुनियाभर में 1 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय फल दिवस मनाया जाता है। ये दिवस पहली बार साल 2007 में जर्मनी की राजधानी बर्लिन के वॉल पार्क में मनाया गया था। इस दिन का उद्देश्य फल के स्वास्थ लाभों के बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करना है। साथ ही रोजाना फल खाकर अपने शरीर को स्वस्थ रखने पर भी जोर देना है। इस दिन को लोग परिवार, दोस्तों और जरूरतमंदों के साथ सहानुभूति, खुशी और प्यार में फल बांटकर मनाते हैं।

इस दिन का मुख्य उद्देश्य परिवार के सदस्यों, दोस्तों या जरूरतमंद लोगों के साथ खुशी और सहानुभूति में फल साझा करना है क्योंकि यह दिन उन सभी लोगों को संबोधित करता है जो सकारात्मक रहने की स्थिति बनाते और संरक्षित करते हैं।

सेब, नाशपाती और केले जैसे गूदे वाले फलों से शुरू करें, उनके स्वाद और बनावट के लिए और कम एलर्जेनिक होने के लिए। - सब्जियों का स्वाद और स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें फलों की प्यूरी भी डाली जा सकती है। -अधिक से अधिक पोषण लाभ प्राप्त करने के लिए बच्चे को विभिन्न प्रकार के फल देने का प्रयास करें।

फलों को उस व्यवस्था के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है जिससे वे प्राप्त करते हैं। चार प्रकार के होते हैं- सरल, कुल, एकाधिक, और सहायक फल। साधारण फल एक ही फूल के एक अंडाशय से विकसित होते हैं और मांसल या सूखे हो सकते हैं।

वर्तमान में शाकाहार का चलन बढ़ रहा हैं इसके अंतर्गत फलाहार ,दुग्धाहार ,समायोजित हैं ।

आज के कार्टुन

प्रणिधान

श्रीराम शर्मा आचार्य

प्रणिधान का अर्थ है-धारण करना, स्थापित करना। ईश्वर प्रणिधान अर्थात ईश्वर को धारण करना, ईश्वर को स्थापित करना। परमात्मा हमारे हृदयों में विराजमान है। गीता कहती है-ईश्वर~ सर्वभूतानां हृद्देशेऽर्जुन तिष्ठति। अर्थात हे अर्जुन! ईश्वर सब प्राणियों के हृदय में बैठा हुआ है। सर्वव्यापक परमात्मा हर एक के रोम-रोम में रम रहा है। फिर भी मनुष्य उसे भूला हुआ है। कहने को तो लोग ईश्वर को जानते भी हैं और मानते भी हैं, पर व्यवहार में उसका एक प्रकार से बहिष्कार ही कर देते हैं। पुलिस सर्वव्यापक नहीं है, तो भी उससे जितना डरते हैं उतना ईश्वर से नहीं डरते। अमीरों में उतनी उदारता नहीं होती, तो भी अमीरों या अफसरों का जितना आदर करते हैं, उतना ईश्वर का नहीं करते। स्त्री का प्यार सच्चा और स्थायी नहीं होता, तो भी जितना प्यार अपनी स्त्री से करते हैं उतना ईश्वर से नहीं करते। बेटे के ब्याह में जितना खर्च कर देते हैं उससे चौथाई भी ईश्वर के निमित्त नहीं लगाते। यदि सच्चाई के साथ देखा जाए तो ईश्वर को एक बहुत ही गौण स्थान दिया जाता है। या तो धन, सम्पदा, बेटा, पोता, जीत, स्वास्थ्य, विद्या, बुद्धि, स्वर्ग, मुक्ति आदि प्राप्त करने के लिए ईश्वर को टटोलते हैं या कोई विपत्ति आ जाने पर छुटकारे के लिए उसे पुकारते हैं। अध्यात्म विद्या का जो लोग शोध कर रहे हैं, राजयोग की साधना के लिए यम-नियमों की जो साधना करना चाहते हैं, उन्हें ईश्वर प्रणिधान का तत्त्वज्ञान भली प्रकार समझना होगा और बुद्धिपूर्वक उस पर आरूढ़ होना होगा। योग के आठ अंगों में से द्वितीय अंग नियम का पांचवां नियम ईश्वर पूजा नहीं वरन ईश्वर प्रणिधान है। परमात्मा की हृदय में स्थापना करना, उसे हर घड़ी अपने साथ देखना, रोम-रोम में उसका व्यापकत्व अनुभव करना यह ईश्वर प्रणिधान का चिह्न है। मंदिर में मूर्ति की स्थापना की जाती है तो उसकी पूजा के लिए पुजारी नियत करना पड़ता है जो यथासमय सारी पूजापत्री किया करे। पुजारी अन्य कार्य भी करता है, पर प्रतिमा के भोग, स्नान, शयन, आरती आदि का ध्यान विशेष सावधानी के साथ रखता है। ईश्वर प्रणिधान में ईश्वर की प्रतिमा का हृदय में, अंत:करण में स्थापित करनी होती है और उसे चौबीस घण्टे का साथी बनाना पड़ता है। पुजारी का प्रधान कार्य प्रतिमा की पूजा है।

सू-दोकू नवताल -2154

3	9			8	2		7	4
5	2		3	4			8	1
				9		5		
4	8	3	6		9			7
	1						9	
2			1		8	3	4	6
		8		6				
1	5			3	7		6	9
7	4		9	1			3	2

सू-दोकू -2153 का हल

7	4	1	3	8	5	2	6	9
2	6	8	9	7	4	1	3	5
3	5	9	6	1	2	8	7	4
6	1	5	7	9	3	4	2	8
9	8	7	2	4	1	6	5	3
4	3	2	8	5	6	7	9	1
5	7	4	1	6	9	3	8	2
8	9	3	4	2	7	5	1	6
1	2	6	5	3	8	9	4	7

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2154

1		2		■	3	■	4	5	
	■		■	6	7		■		■
■	8	■	9	■	10		11		12
13					■	■		■	
■		■		■	14	15	■	16	■
17	■	18			■	19			
20		■		■	21		■		■
	■	22		23		■	24		25
■	26		■		■	27		■	
28		■	29		■		■	30	

बायें से दायें:-

1. 'चलो इक बार फिर से अजनबी बन जाएं' गीत वाली सुनील दत्त, माला सिन्हा की फिल्म-4
4. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-3
6. 'पंख होते जो उड़ आती रे' गीत वाली प्रशांत और संध्या की फिल्म-6
10. अनिल कपूर, माधुरी दीक्षित की 'आंखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-5
13. 'आदमी मुसाफिर है आता है जाता है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा पंडित की फिल्म-5
14. 'बम चिकी चिकी बम' गीतवाली फिल्म-2
18. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
19. गोविंदा, मनीषा की फिल्म- 4
20. 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म 'कोहराम' की नायिका कौन थी ?-2
21. मिथुन चक्रवर्ती, पद्मिनी कोल्हापुरे की 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
22. 'ये गलियां ये चौबारा' गीत वाली फिल्म-4
24. 'जिंदगी प्यार का गीत है' गीत वाली फिल्म-3
26. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली फिल्म-2
27. शाहिद कपूर, करीना कपूर अभिनीत फिल्म-2
28. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी अभिनीत फिल्म-2
29. 'मेरे सीने में तेरा दिल धड़के' गीत वाली फिल्म-2
30. 'सपनों का सौदागर' फिल्म की नायिका-2

ऊपर से नीचे:-

1. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-2
2. फिल्म 'बेमिसाल' में अमिताभ के साथ नायिका कौन थी ?-2
3. अक्षय कुमार, रवीना, पूनम झवेर की फिल्म-3
5. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में सनी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-3
7. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'इतना मैं चाहूं तुझे' गीत वाली फिल्म-2
8. धर्मेन्द्र, सनी, बॉबी देओल, कैटरीना, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-3
9. 'करवटें बदलते रहे सारी रात हम' गीत वाली फिल्म-2,1,3
11. अमिताभ, वहीदा, रति अग्निहोत्री की फिल्म-2
12. फिल्म 'निकाह' के संगीतकार कौन थे-2
15. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-3
16. 'ढोल बजने लगा' गीत वाली फिल्म-4
17. 'तेरी ये बिंदिया बोले' गीतवाली फिल्म-3
21. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2
22. संजय, तब्बू की फिल्म-2
23. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-3
24. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की 'दीवाना तो कह दिया' गीतवाली फिल्म-2
25. फिल्म 'हस्ती' की नायिका कौन थी ?-3
26. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'हर एक घर में दिया' गीत वाली फिल्म-2
27. 'मैं नाचूं बिन पायल' गीतवाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2153

बा	बु	ल	■	आ	म	ने	सा	म	ने
बू	■	गा	य	ब	■	हा	■	स्ता	■
■	जा	न	■	रू	ल्स	■	कि	ना	रा
जा	ल	■	डॉ	■	■	मे	ला	■	म
■	सा	व	न	■	आ	ह	■	रा	जा
न	ज	र	■	चां	■	बू	म	■	ने
या	■	दा	मा	द	■	बा	जा	र	■
ज	मी	न	■	नी	तू	■	ल	की	र
मा	ना	■	रो	■	फा	■	■	ब	■
ना	■	रे	ड	■	न	सी	ब	■	मां

पावरग्रिड 11,000 करोड़ जुटाने के प्रस्तावों पर विचार करेगा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) का निदेशक मंडल बांड और कर्ज के जरिये 11,000 करोड़ रुपए जुटाने के दो प्रस्तावों पर छह जुलाई को विचार करेगा। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि निदेशक मंडल की बैठक बुधवार 6 जुलाई को होगी। पावरग्रिड के अनुसार निदेशक मंडल घरेलू बाजार से 6,000 करोड़ रुपए जुटाने पर विचार करेगा। यह राशि सुरक्षित, असुरक्षित, संचयी, विमोच्य, कर योग्य, कर मुक्त डिबेंचर या बांड के जरिये निजी नियोजन आधार पर वित्त वर्ष 2023-24 में 20 चरणों में जुटाई जाएगी। इसके अलावा, निदेशक मंडल कंपनी की पूंजी व्यय जरूरतों को पूरा करने के लिए वाणिज्यिक बैंक से निश्चित अवधि के लिए 5,000 करोड़ रुपए तक का कर्ज लेने के प्रस्ताव पर भी विचार करेगा।

कारोबार सुगमता रैंकिंग में सात राज्य सफल प्रदेशों की सूची में शामिल

नई दिल्ली। व्यापार सुधार कार्य योजना 2020 को लागू करने के मामले में राज्यों और केंद्र शासमित प्रदेशों की रैंकिंग में आंध्र प्रदेश, गुजरात और तेलंगाना सबसे सफल प्रदेशों की श्रेणी के अंतर्गत शीर्ष सात में शामिल हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण ने गुरुवार को इस बारे में रिपोर्ट जारी की। हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, ओड़िशा और मध्य प्रदेश अन्य राज्य हैं, जिन्हें रैंकिंग में लक्ष्य हासिल करने को लेकर सफल राज्यों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। आकांक्षी (एस्पायर) श्रेणी में असम, केरल और गोवा सहित सात राज्य शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार उभरते कारोबारी परिवेश की श्रेणी में दिल्ली, पुडुचेरी और त्रिपुरा सहित 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को रखा गया है।

मूल्य वर्धित स्टील के लिए पीएलआई योजना के तहत आवेदन अब 31 जुलाई तक

नई दिल्ली । सरकार ने विशेष इस्पात (मूल्य वर्धित स्टील) के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के तहत आवेदन देने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई, 2022 कर दी है। यह चौथा मौका है जब आवेदन की तारीख बढ़ाई गई है। शुरू में मूल्य वर्धित इस्पात विनिर्माताओं के लिये पीएलआई योजना के तहत आवेदन देने की अंतिम तारीख 29 मार्च थी। बाद में इसे बढ़ाकर 30 अप्रैल और फिर 31 मई, 2022 किया गया। इस्पात मंत्रालय की 29 जून को जारी अधिसूचना के अनुसार पीएलआई योजना के तहत मूल्य वर्धित इस्पात के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई, 2022 कर दी गयी है। इसके तहत आवेदन 31 जुलाई, 2022 तक दिए जा सकते हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में मूल्य वर्धित इस्पात के विनिर्माण को गति देने के लिए पिछले साल 22 जुलाई को 6,322 करोड़ रुपए की पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी। इस कदम से 40,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश और 5.25 लाख रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही बाजार में बिकवाली का माहौल रहा जिससे यह नीचे आया। शुरुआती बढ़त खोने और दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 8.03 अंक करीब 0.02 फीसदी नीचे आकर 53,018.94 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का पचास शेयरों वाला निफ्टी भी 18.85 अंक तकरीबन 0.12 फीसदी नीचे आकर 15,780.25 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील और इंडसइंड बैंक के शेयर टूटे हैं। एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर लाभ में रहे। एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में बढ़त दर्ज की गयी। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी गिरावट रही। अमेरिका के शेयर बाजार बुधवार को मिश्रित रुख के साथ बंद हुए। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी बाजारों में बिकवाली की गति कम होने से भी अस्थिर घरेलू बाजार को समर्थन मिला।

डॉलर के मुकाबले 80 के स्तर पर जाने बेताब रुपया

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया निचले स्तर पर लगातार गोता लगा रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार जल्द ही रुपया 80 के स्तर पर पहुंच सकता है। इसकी पूरी संभावनाएं बन गई है। शेयर बाजार से विदेशी निवेश लगातार शेयर बाजार से मुनाफावसूली के साथ निकाल रहा है। घरेलू बाजार में भी कामकाज कमजोर है। जिसका असर अब भारतीय मुद्रा पर तेजी के साथ पड़ रहा है। डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया 78.97 पर बंद हुआ। लगातार गिरावट के कारण डालर के मुकाबले रुपया लगातार कमजोर होता जा रहा है रिजर्व बैंक द्वारा डालर के मुकाबले रुपए की कीमत को नियंत्रित करने के लिए कई बार मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप भी किया है। किंतु इसके बाद भी रुपए की गिरावट को रोक पाना रिजर्व बैंक के लिए भी संभव नहीं हो पा रहा है।

अल्ट्राटेक सीमेंट रूस से कोयला आयात करने युआन में कर रही भुगतान!

नई दिल्ली । देश की प्रमुख सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक रूस से कोयला आयात करने के लिए चीन की मुद्रा युआन में भुगतान कर रही है। भारतीय सीमा शुल्क दस्तावेज के अनुसार युआन में भुगतान का मामला बहुत कम ही देखने को मिलता है लेकिन व्यापारियों का कहना है कि अब यह सामान्य हो सकता है। दस्तावेज में बताया गया है कि अल्ट्राटेक सीमेंट रूस की कंपनी एसयूईके से 1,57,000 टन कोयले का आयात कर रही है। इसे रूस के सुदूर पूर्व बंदरगाह वैनिनो से थोक वाहक एमवी मैंगास पर लोड किया गया। इसमें 5 जून के एक चालान का हवाला दिया गया है और उसमें माल का मूल्य 17,26,52,900 युआन (2.581 करोड़ डॉलर) है। इस मामले की जानकारी रखने वाले व्यापार सूत्रों ने कहा कि इस माल की बिक्री की व्यवस्था एसयूईके की दुबई इकाई ने की थी। उन्होंने बताया कि अन्य कंपनियों ने भी युआन में भुगतान के साथ रूस से कोयले के आयात के लिए ऑर्डर दिए हैं। भुगतान के निपटान में युआन के बढ़ते उपयोग से रूस को यूक्रेन पर आक्रमण के कारण पश्चिमी देशों द्वारा उस पर लगाए गए प्रतिबंधों के प्रभाव से बचाने में मदद मिल सकती है। साथ ही इससे चीन को भी अपनी मुद्रा के अंतरराष्ट्रीयकरण में मदद मिलेगी और वैश्विक व्यापार में अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को कम किया जा सकेगा।

मारुति सुजुकी इंडिया ने एसयूवी ब्रेजा का नया संस्करण पेश किया

मुंबई ।

कार बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने गुरुवार को अपनी कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा का नया संस्करण पेश किया। इसकी शुरुआती शोरूम कीमत 7.99 लाख रुपये है। दूसरी पीढ़ी की नई ब्रेजा 'मैनुअल' और 'ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन' विकल्पों में उपलब्ध होगी। इसकी कीमत 7.99 लाख से 13.96 लाख रुपये है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेयूची ने ब्रेजा को पेश कर कहा, ÷पिछले आठ महीनों में यह कंपनी की छठी पेशकश है। यह भारतीय बाजार में हमारे विश्वास को दर्शाता है।÷

ताकेयूची ने कहा, यह हमारा ऐसा पहला मॉडल था जिसे विशेष रूप से भारत के लिए डिजाइन और विकसित किया गया था।÷ मारुति सुजुकी ने मार्च, 2016 में ब्रेजा के साथ कॉम्पैक्ट एसयूवी खंड में प्रवेश किया था। कंपनी ने इसके बाजार में उतरने के बाद से छह साल में 7.5 लाख से अधिक इकाइयां बेची है। उन्होंने कहा, कंपनी ने ग्राहकों की अपेक्षाओं से प्रेरित होकर मॉडल को फिर से डिजाइन किया है।÷नई ब्रेजा उस समय आई है जब मारुति सुजुकी को दक्षिण कोरियाई कार विनिर्माता हुंदै और किआ खंड में क्रमशः अपने वेन्यू और सोनेट के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। नई ब्रेजा नए जमाने की तकनीक और 'कनेक्टेड' सुविधाओं से लैस है।

पीसी, मोबाइल फोन, टैबलेट में 2022 में वैश्विक स्तर पर अब तक की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज

नई दिल्ली।

आर्थिक मंदी ने सभी डिवाइस सेगमेंट को प्रभावित किया है और 2022 में वैश्विक पीसी शिपमेंट में 9.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, जो इस साल सभी सेगमेंट की सबसे बड़ी गिरावट है। गार्टनर की एक रिपोर्ट में गुरुवार को इसकी जाकनारी दी गई है। कुल मिलाकर, कुल उपकरणों (पीसी, टैबलेट और मोबाइल फोन) के विश्वव्यापी शिपमेंट में 2022 में 7.6 प्रतिशत की गिरावट की गति है, जिसमें यूरेशिया सहित ग्रेटर चीन और पूर्वी यूरोप में दो अंकों की गिरावट दर्ज की गई है। जहां इस साल वैश्विक मोबाइल फोन शिपमेंट में 7.1 फीसदी की गिरावट की उम्मीद है, वहीं स्मार्टफोन शिपमेंट में 5.8 फीसदी (साल-दर-साल) की कमी होने का अनुमान है। क्षेत्रीय रूप से, ग्रेटर चीन को कोविड लॉकडाउन के कारण सबसे अधिक खामियाजा भुगतना पड़ेगा, जिसमें स्मार्टफोन शिपमेंट 18.3 प्रतिशत की गिरावट के साथ होगा। गार्टनर में वरिष्ठ निदेशक विश्लेषक रंजीत अटवाल ने कहा, भू-राजनीतिक उथल-पुथल, उच्च मुद्रास्फीति, मुद्रा में उतार-चढ़ाव और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के एक आदर्श तूफान ने दुनिया भर में उपकरणों के लिए व्यापार और उपभोक्ता मांग को कम कर दिया है और पीसी बाजार को सबसे कठिन प्रभावित करने के लिए तैयार है। उन्होंने भविष्यवाणी की, उपभोक्ता पीसी की मांग 2022 में 13.1 प्रतिशत घटने की गति पर है और व्यावसायिक पीसी मांग की तुलना में बहुत तेजी से घटेगी, जो कि साल दर साल 7.2 प्रतिशत घटने की उम्मीद है। 2022 में, गार्टनर को उम्मीद है कि दुनिया भर में 5जी फोन शिपमेंट कुल 710 मिलियन यूनिट होंगे। जबकि यह 2021 से 29 प्रतिशत की वृद्धि है, यह पिछली उम्मीदों से कम है। अटवाल ने कहा, वर्ष की शुरुआत में

विकास दर 47 प्रतिशत की अपेक्षित वृद्धि से काफी कम है, जिसके परिणामस्वरूप 95 मिलियन 5जी फोन शिपमेंट का नुकसान हुआ है। 5जी फोन की मांग 2023 में तेज गति से बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है, 5जी में अधिकतर माइग्रेशन डिफॉल्ट रूप से होगा क्योंकि उपयोगकर्ता अपने जीवन चक्र के अंत में पुराने 4जी स्मार्टफोन को 5जी-संगत स्मार्टफोन से बदल देंगे।

पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस 12,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी में

मुंबई । पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने गुरुवार को कहा कि वह 12,000 करोड़ रुपये का कर्ज जुटाने के लिए अगले महीने शेयरधारकों की मंजूरी लेगी। शहर मुख्यालय वाले सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) द्वारा प्रवर्तित आवास वित्त कंपनी अगले महीने 26 जुलाई को अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित करने वाली है। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस ने कहा, ''34वीं सालाना आम बैठक में निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जारी कर 12,000 करोड़ रुपये तक जुटाने लिए शेयरधारकों की मंजूरी ली जाएगी। यह राशि एक या कई किस्तों में जुटाई जाएगी।''

रिलायंस जियो गुजरात में फिक्स्ड लाइन सेवा देने वाली बड़ी कंपनी बनी

अहमदाबाद ।

रिलायंस जियो गुजरात में फिक्स्ड लाइन सेवा प्रदान करने वाली सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। कंपनी ने गुजरात में अपना कारोबार शुरू करने के तीन साल से भी कम समय में चार लाख से अधिक ग्राहकों को जोड़ा है। रिलायंस जियो ने कहा कि पांच सितंबर, 2019 को जियोफाइबर ने अपना वाणिज्यिक संचालन शुरू किया था। तब से जियो गुजरात के 40 से अधिक शहरों, कस्बों और गांवों तक पहुंच गई है और चार लाख से अधिक ग्राहकों को जोड़ चुकी है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) की अप्रैल, 2022 रिपोर्ट के अनुसार गुजरात में जियो के फाइबर-टू-द-होम उपयोगकर्ताओं की संख्या पहली बार चार लाख का आंकड़ा पार कर गई। इसी के साथ कंपनी बीएसएनएल के 3.80 लाख उपयोगकर्ता के आंकड़े को पीछे छोड़ते हुए लैंडलाइन सेवा प्रदान करने वाली राज्य की सबसे बड़ी कंपनी बन गई। जियो ने अप्रैल, 2022 के दौरान 20,832 नए जियो फाइबर ग्राहक जोड़े। इससे राज्य में कंपनी के कुल उपयोगकर्ताओं की संख्या 4.03 लाख पहुंच गई।

अगले चार साल में 122 और स्टार्टअप बन जाएंगी यूनिकॉर्न: रिपोर्ट

मुंबई । वित्तपोषण संबंधी गतिविधियों में जारी सुस्ती के बावजूद एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाली यूनिकॉर्न या स्टार्टअप कंपनियों की संख्या अगले चार साल में 200 के पार निकल जाएगी। एक रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। हुरुन रिसर्च इंस्टिट्यूट की तरफ से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया कि देश में यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या फिलहाल 84 है जबकि एक साल पहले इनकी संख्या सिर्फ 51 ही थी। इसी के साथ 122 ऐसे स्टार्टअप भी हैं जिनका आकार फिलहाल 20 करोड़ डॉलर से अधिक है लेकिन अगले दो-चार वर्षों में उनके यूनिकॉर्न बनने की पूरी संभावना है। इन सभी कंपनियों की सम्मिलित पूंजी फिलहाल 49 अरब डॉलर है। हालांकि रिपोर्ट कहती है कि इस समय वित्तपोषण शीत की स्थिति है जिसमें दुनियाभर में तरलता संबंधी चुनौतियां पैदा होने से भारतीय स्टार्टअप को तेजी से वित्त नहीं मिल पा रहा है। इसके बावजूद यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल करने वाले स्टार्टअप की संख्या में बढ़ोतरी जारी रहेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय स्टार्टअप कंपनियों में सबसे ज्यादा पूंजी लगाने वाली उद्यम पूंजी फर्म सिकोया है। इन 122 स्टार्टअप में से 39 को सिकोया से वित्त मिला है।

1 जुलाई को वनप्लस नोर्ड 2टी होगा लांच

-वनप्लस फ्लैगशिप को हो सकता है प्रोडक्ट

नई दिल्ली । आगामी 1 जुलाई को वनप्लस नोर्ड 2टी का अनावरण करेगा। इसके बाद कंपनी वनप्लस 10टी भी पेश करेगी, जो वनप्लस फ्लैगशिप प्रोडक्ट हो सकता है। इसे साल के अंत में पेश किया जा सकता है। वनप्लस एक के बाद एक प्रोडक्ट लॉन्च कर रहा है।

इस बीच टिपस्टर मुकुल शर्मा ने दावा किया है कि वनप्लस दो नए टीडब्ल्यूएव ईयरबड्स, वॉच 2 और बैंड 3 पर काम कर रहा है, और बहुत जल्द भारत में डेब्यू करेगा। उन्होंने कहा कि दो टीडब्ल्यूएस ईयरबड्स में से एक नॉर्ड ब्रांड के तहत आएगा, जबकि दूसरा वनप्लस ब्रांड के तहत पेश किया जाएगा। वनप्लस टीडब्ल्यूएस मॉडल की कीमत किफायती होने की उम्मीद है, जबकि दूसरा वनप्लस बडस प्रो की तरह एक प्रीमियम वर्जन हो सकता है। मुकुल का कहना है कि वनप्लस स्मार्टफोन्स के साथ तीसरी तिमाही में स्मार्टवॉच को भी लॉन्च कर सकता है।वनप्लस ने दो टीडब्ल्यूएस ईयरबड्स तैयार किए हैं। इनमें से एक में नॉर्ड ब्रांडिंग होगी, जबकि दूसरे पर वनप्लस का लोगो होगा। प्रोडक्ट 2022 के तीसरे क्वार्टर में पेश किए जा सकते हैं।अगर बात करें स्मार्टफोन की, तो वनप्लस के पास दो ओप्पो फोन, सीपीएच 2455 और सीपीएच2413 के अलावा ओप्पो ए57 और रेनो 8 प्रो रीब्रांड मौजूद हैं।

कहा जा सकता है कि कंपनी आने वाले महीनों में फोन की एक सीरीज लॉन्च करने के लिए कमर कस रही है और इससे ब्रांड को देश के टॉप पांच स्मार्टफोन ब्रांडों में जगह बनाने में मदद मिलेगी। वनप्लस एक स्मार्टवॉच पर भी काम कर रहा है। इसमें एक स्मार्ट बैंड होगा, जिसे बैंड 2 कहा जाता है।

भारत की शहरी आबादी 2035 तक 67.5 करोड़ होने का अनुमान: संरा रिपोर्ट

- देश चीन की एक अरब शहरी जनसंख्या के मुकाबले दूसरे स्थान पर होगा

संयुक्त राष्ट्र ।

भारत की शहरी आबादी के 2035 तक 67.5 करोड़ हो जाने का अनुमान है और इस मामले में देश चीन की एक अरब शहरी जनसंख्या के मुकाबले दूसरे स्थान पर होगा। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 महामारी के बाद दुनिया में शहरों में रहने वालों की संख्या पिछले स्तर पर पहुंच गई है और 2050 तक इसमें 2.2 अरब की वृद्धि हो सकती है। दुनिया में शहरीकरण के बारे में संयुक्त राष्ट्र की जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि तेजी से शहरीकरण पर कोविड-19 महामारी का अस्थायी असर पड़ा है और इसकी रफ्तार महज थोड़ी देरी के लिए धीमी पड़ी है। इसमें कहा गया है कि वैश्विक शहरी आबादी पिछले स्तर पर आ गई है और 2050 तक इसमें 2.2 अरब की वृद्धि का अनुमान है। भारत की शहरी आबादी के 2035 में 67,54,56,000 तक पहुंच जाने का अनुमान है जो 2020 में 48,30,99,000 था। वहीं 2025 तक इसके 54,27,43000 और 2030 तक 60,73,42,000 हो जाने की संभावना है।इसमें कहा गया है कि वर्ष 2035 तक शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का प्रतिशत कुल आबादी का 43.2 प्रतिशत हो जाएगा। रिपोर्ट में चीन के बारे में कहा गया है कि वहां 2030 तक शहरी आबादी 1.05 अरब हो जाएगी। जबकि एशिया में शहरों में रहने वाले लोगों की जनसंख्या 2.99 अरब होगी। दक्षिण एशिया में यह संख्या 98.76 करोड़ होगी। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार चीन और भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की वैश्विक आबादी में बड़ी हिस्सेदारी है तथा इन देशों में आर्थिक वृद्धि से वैश्विक असमानता पर सकारात्मक रूप से असर पड़ा है। इसमें कहा गया है कि एशिया में पिछले दो दशकों में चीन और भारत की आर्थिक वृद्धि और शहरीकरण में तेजी से इजाफा हुआ है। इससे गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या में काफी कमी आई है। रिपोर्ट के अनुसार खासकर निम्न आय वाले देशों में जन्म दर बढ़ने के साथ मौजूदा शहरी आबादी में वृद्धि जारी रहेगी। इसके साथ 2050 तक कुल वैश्विक आबादी में शहरों में रहने वाले लोगों की जनसंख्या 68 प्रतिशत पहुंचने का अनुमान है जो अभी 56 प्रतिशत है। इसमें कहा गया है कि गरीबी और असमानता शहरों के समक्ष सबसे कठिन और जटिल समस्याओं में से एक है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बुमराह की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ उतरेगी भारतीय टीम

कपिल के बाद कप्तानी करने वाले दूसरे तेज गेंदबाज होंगे

एजबेस्टन (एजेंसी)।

भारतीय टीम शुक्रवार से यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में उतरेगी। नियमित कप्तान रोहित शर्मा के कोरोना संक्रमित होने के कारण बुमराह को कप्तानी दी गयी है। रोहित अभी संक्रमित होने के कारण पृथकवास में हैं। बुमराह कपिल देव के बाद भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले दूसरे तेज गेंदबाज टीम होंगे। कपिल ने अंतिम बार 1987 में भारतीय टीम की कप्तानी की थी। इस प्रकार 35 साल बाद किसी तेज गेंदबाज को भारतीय टीम की कप्तानी करने का अवसर मिल रहा है। अब तक भारत की ओर से 35 खिलाड़ियों ने कप्तानी की इस प्रकार कप्तानी कारने वाले 36वें खिलाड़ी बनेंगे।

अब बुमराह पर टीम को जीत दिलाने की जिम्मेदारी होगी। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम अभी 2-1 से आगे है। ऐसे में सीरीज जीतने के लिए भारतीय टीम को ड्रॉ की जरूरत है जबकि दूसरी ओर मेजबान टीम बराबरी के लिए जीत हासिल करने उतरेगी। .

बुमराह ने 6 साल पहले 2016 में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वे अब तक 29 टेस्ट, 70 वनडे और 57 टी20 इंटरनेशनल के मुकाबले खेल चुके हैं। यानी उनके पास 150 से अधिक मैच का अनुभव है. उन्होंने टेस्ट में 22 की औसत से 123 विकेट लिए हैं।

पिछले साल की तरह इस साल भी भारत और इंग्लैंड दोनों टीमें कोरोना से जूझ रही हैं पर अब हालात बदल गये हैं। पिछले साल जब यह सीरीज शुरू हुई थी तो रवि शास्त्री टीम इंडिया के कोच थे , वहीं अब राहुल द्रविड़ कोच हैं। नियमित कप्तान रोहित शर्मा और उपकप्तान लोकेश राहुल इस सीरीज में दो सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज थे लेकिन अब दोनों ही इस टेस्ट मैच से बाहर हैं। रोहित कोरोना संक्रमित हैं। रोहित के विकल्प के रुप में मयंक अग्रवाल को शामिल किया गया है। भारत के नए कोच राहुल द्रविड़ और नए कप्तान जसप्रीत बुमराह हैं। पिछले साल टीम के कप्तान विराट कोहली थे जो अब एक बल्लेबाज के तौर पर टीम के साथ हैं।

भारतीय टीम के पास इस बार तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा भी नहीं हैं। ऐसे में अब बुमराह के पास युवा मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाज हैं। स्पिनर आर अश्विन भी इस मैच में नहीं खेलेंगे।

वहीं दूसरी ओर मेजबान इंग्लैंड के भी कोच व कप्तान बदल गये हैं। अब टीम की कप्तानी ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के पास है जबकि कोच ब्रेडन मैककुलम हैं। जॉनी बेयरस्टो इस टीम के नायक बनकर उभरे हैं। पिछले साल इस सीरीज के आखिरी टेस्ट में वह नाकाम रहे थे। टीम के पास जेम्स एंडरसन जैसा गेंदबाज भी है।

मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पीवी सिंधु-एचएस प्रणय पहुंचे

कुआलालंपुर (एजेंसी)।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बृहस्पतिवार को यहां थाईलैंड की फिटायापोर्न चेईवान को हराकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने थाईलैंड की अपनी प्रतिद्वंद्वी को दूसरे दौर के 57 मिनट चले मुकाबले में 19-21 21-9 21-14 से हराया।

सातवीं वरीय भारतीय खिलाड़ी अगले दौर में चिर प्रतिद्वंद्वी चीनी ताइपे की ताइ जू यिंग से भिड़ेंगी। दुनिया के 21वें नंबर के खिलाड़ी एचएस प्रणय भी पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। उन्होंने चौथे वरीय चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन को 21-15 21-7 से हराया। थॉमस कप में भारत की एतिहासिक खिताबी जीत के नायकों में शामिल गैरवरीय प्रणय अगले दौर में इंडोनेशिया के सातवें वरीय जोनाथन क्रिस्टी से भिड़ेंगे।

विराट से शतक नहीं मैच विजेता पारी चाहते हैं : द्रविड़

बर्मिंघम (एजेंसी)।

भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरु हो रहे एकमात्र टेस्ट में मुख्य बल्लेबाज विराट कोहली से अच्छी पारी की उम्मीद कर रहे हैं पर शतक को लेकर उनपर कोई दबाव नहीं हैं। द्रविड़ ने कहा कि हम चाहते हैं कि विराट टीम को जीत दिलाने वाला प्रदर्शन करें , शतक जरुरी नहीं है। गौरतलब है कि विराट पिछले दो साल से शतक नहीं लगा पाये हैं। द्रविड़ ने इस धारणा को आधारहीन करार दिया है जिसमें कहा जा रहा है कि विराट में प्रेरणा की कमी है। कोच ने कहा कि खिलाड़ी अलग-अलग दौर से गुजरते हैं और मुझे नहीं लगता कि विराट में प्रेरणा की कहीं कोई कमी है। गौरतलग है कि इससे पहले आईपीएल के 15 वें सत्र में भी कोहली का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा था। द्रविड़ ने कहा, हमेशा शतक अहम नहीं है। इससे पहले केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कठिन हालात में बनाए गए उनके 79 रन भी बेहतरीन थे। विराट ने अपने करियर में इतने ऊंचे मानदंड बनाए हैं कि लोग उससे शतक की ही उम्मीद करते हैं पर एक कोच के तौर पर में मैं उससे मैच विजेता वाला प्रदर्शन चाहता हूं। भले ही वह 50 या 60 रन ही क्यों ना हों। टीम इंडिया को एजबेस्टन में 55 साल से जीत नहीं मिली है। भारतीय टीम ने यहां अब तक सात टेस्ट खेले हैं। जिसमें छह में उसे हार मिली थी जबकि एक मैच बराबरी पर रहा था।

ऑस्ट्रेलिया बनाम श्रीलंका: पैट कमिंस ने लगाया लंबा छक्का, गेंद स्टेडियम पार कर गिरी हाईवे पर

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

श्रीलंका के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के बल्ले से लंबा छक्का देखने को मिला। श्रीलंकाई गेंदबाज जैफरी को मारा गया यह छक्का इतना जोरदार था कि गेंद स्टेडियम पार कर पास से गुजर रहे हाईवे पर जा गिरी। जोरदार हिट लगाकर पैट कमिंस साथी नाथन लियोन के साथ जहां मुस्कराते हुए नजर आए तो वहीं जैफरी का चेहरा उतर गया। इस छक्के के साथ ही दूसरे दिन का खेल समाप्त कर दिया गया।

इससे पहले कैमरन ग्रीन और एलेक्स कैरी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 101 रन की बढ़त हासिल कर ली है। श्रीलंका की टीम पहली पारी में 212 रन पर सिमट गई थी। आस्ट्रेलिया ने रात के तीन विकेट पर 98 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए ब्रेक तक पांच विकेट पर 233 रन बना लिए। उस्मान ख्वाजा की 71 रन की पारी के बाद ग्रीन और कैरी ने मिलकर 76 रन जोड़े।

तेज हवाओं और बारिश के कारण दूसरे दिन सुबह का पूरा सत्र और मध्य के सत्र का एक घंटा बर्बाद हो गया जिसके बाद ही खेल शुरू हुआ। आस्ट्रेलिया के स्कोर में दो रन ही जुड़े थे कि टीम ने रात्रिप्रहरी ट्रेविस हेड का विकेट गंवा दिया जिन्होंने छह रन बनाए। ख्वाजा और ग्रीन ने स्ट्राइक रोटेट करते हुए 57 रन की भागीदारी निभाई। लेकिन लेग स्पिनर जेफ्रे वांडरसे ने ख्वाजा को स्कवेयर लेग पर पाथुम निसांका के हाथों कैच आउट कराकर अपने पहले टेस्ट का पहला विकेट हासिल किया।

ख्वाजा ने अपने 50वें मैच में 17वां टेस्ट अर्धशतक जड़ा जिसके लिए उन्होंने 130 गेंद खेली और सात बाउंड्री लगाई जबकि ग्रीन ने 109 गेंदों में 88 तो एलेक्स कैरी ने 45 रन बनाए। अंत में पैट कमिंस 16 गेंदों में तीन छक्कों की मदद से 26रन बनाकर खेल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 313 रन हो चुका है और उसके पास 101 रन की लीड है।

भारत में पहली बार होगी फार्मूला वन रेस, फरवरी 2023 में हैदराबाद करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। फार्मूला ई रेस का आयोजन अगले साल 11 फरवरी को पहली बार भारत में होगा जब हैदराबाद रेस की मेजबानी करेगा। आयोजकों ने इसकी पुष्टि की। बुद्ध अंतरराष्ट्रीय सर्किट में अक्टूबर 2013 में फार्मूला वन इंडियन ग्रां प्री के आयोजन के बाद देश में यह पहली बड़ी अंतरराष्ट्रीय रेस होगी जो हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। भारत के अलावा ब्राजील भी 25 मार्च को पहली बार फार्मूला ई रेस की मेजबानी करेगा। फार्मूला ई और मोटरस्पोर्ट्स की संचालन संस्था फिया ने आगामी नौवें सत्र (2022-23) का अस्थाई कार्यक्रम जारी किया। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'दो बड़े मोटरस्पोर्ट्स स्थल पहली बार फार्मूला ई रेस का स्वागत करेंगे। चैंपियनशिप का चौथा दौर भारत के हैदराबाद में 11 फरवरी को होगा जबकि ब्राजील के प्रशंसक 25 मार्च को सातवें दौर में साओ पाउलो ई-प्री देख पाएंगे।' इसी साल तेलंगाना सरकार और फार्मूला ई अधिकारियों ने हैदराबाद में रेस की मेजबानी के लिए लैटर आफ इंटेंट पर हस्ताक्षर किए थे।

श्रीलंका-ऑस्ट्रेलिया मैच में आंधी और बारिश बनी बाधा

गाले। यहां श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन खराब मौसम के कारण बाधा आयी है। तेज आंधी और बारिश के कारण मैच समय से शुरु नहीं हो पाया है। यहां तक की स्टेडियम का एक स्टैंड भी गिर गया। स्थानीय समयानुसार दूसरे दिन का खेल सुबह 10 बजे शुरू होना था। बारिश और तेज हवा के कारण अब यह मैच ड्रॉ होना तय नजर आ रहा है।

श्रीलंकाई टीम पहले दिन 212 रनों पर सिमट गयी थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम के मुख्य स्पिनर नाथन लायन ने 25 ओवर में 90 रन देकर कुल 5 विकेट लिए थे। वहीं युवा लेग स्पिनर मिशेल स्वेपसन ने भी पांच विकेट लिए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आई ऑस्ट्रेलिया की भी शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर 25 रन ही पेवेलियन लौट गये। 3 नंबर पर बल्लेबाजी करने आए मार्नस लाबुशेन भी 13 रन बनाकर आउट हो गये। अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भी 6 रनों बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन अपनी पहली पारी में तीन विकेट पर 98 रन बनाये थे।

भारतीय टेस्ट टीम में अपनी भूमिका का लुत्फ उठा रहा हूं : शार्दुल ठाकुर

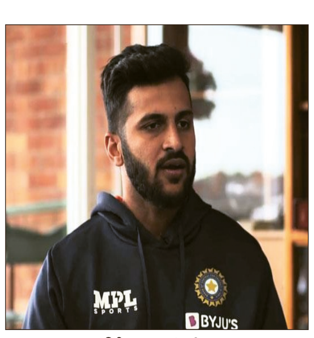

बर्मिंघम (एजेंसी)।

भारत और इंग्लैंड के बीच एजबेस्टन में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले भारतीय आलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कहा कि वह टीम में अपनी भूमिका का लुत्फ उठा रहे हैं और जब तक मुख्य गेंदबाज ब्रेक पर हैं तो वह निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर और प्रभाव डाल सकते हैं।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ठाकुर ने 'बीसीसीआई टीवी' से कहा, 'इस समय हमारे तेज गेंदबाजी विभाग में हर कोई अच्छा प्रदर्शन कर रहा है जिनमें (मोहम्मद) शमी, (जसप्रीत) बुमराह, उमेश (यादव - जब भी उन्हें मैच मिलता है) शामिल हैं। इशांत (शर्मा) इसमें थे और आमतौर पर वे नयी गेंद से शुरूआत करते और कई दफा ऐसा होता कि वे पहले स्पैल में दो-तीन विकेट झटक लेते और मुझे बाद में गेंदबाजी का मौका मिलता।'

ठाकुर अकसर चौथे तेज गेंदबाज की भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि वह मुश्किल परिस्थितियों में गेंदबाजी करना पसंद करते हैं और वह प्रभाव डालने के लिए इसे सही समय भी मानते हैं।' उन्होंने कहा, 'मौका तब बनता है जब कोई भागीदारी हो रही होती है और मुख्य गेंदबाज को आराम दिया जाना है और तीसरे और चौथे गेंदबाज को स्पैल में ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। इस मौके पर, मेरे लिए एक विकेट चटकाने और टीम के लिए कुछ करने का मौका रहता है।'

ठाकुर ने कहा, 'मुझे लगता है कि इस तरह की स्थितियों में गेंदबाजी करना मेरा काम है और मुझे यह पसंद है क्योंकि अगर मैं अच्छा प्रदर्शन करता हूं तो इससे खेल पर असर पड़ता है।' पालघर के इस तेज गेंदबाज ने ओवल में चौथे टेस्ट में इंग्लैंड पर 157 रन की जीत में अहम भूमिका अदा की थी। ठाकुर उस भारतीय टीम में शामिल हैं जो शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले पांचवें टेस्ट में खेलेगी।

तीस साल के इस गेंदबाज ने कहा, 'मुझे लगता है कि इंग्लैंड गेंदबाजों के लिए जन्नत की तरह है, वे ऐसा इसलिए कहते हैं क्योंकि गेंद काफी स्विंग करती है और कभी कभार आप एक ही स्पैल में काफी विकेट झटक लेते हो। इसलिए मुझे लगता है कि क्रिकेट खेलने और गेंदबाजी करने के लिए इंग्लैंड मेरे पसंदीदा स्थल में से एक है। इंग्लैंड में काफी 'लेटरल मूवमेंट' होता है और यह आप पर निर्भर करता है कि आप इसका इस्तेमाल किस तरह करते हो।' ठाकुर ने ओवल में चौथे टेस्ट में अहम भूमिका निभायी थी, उन्होंने दो महत्वपूर्ण अर्धशतक जड़ने के साथ दोनों पारियां में अहम विकेट चटकाये थे। पहले मैच में उन्होंने 36 गेंद में 57 रन बनाये जिससे भारत को 191 रन का स्कोर बनाने में मदद मिली। दूसरी पारी में उन्होंने 72 गेंद में 60 रन बनाये। अपने प्रदर्शन को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'ये महत्वपूर्ण पारियां थीं। इंग्लैंड बड़ी बढ़त बना सकता था लेकिन हम वापसी करने में सफल रहे।' उन्होंने कहा, 'जब आप इस तरह की पारियां खेलते हो, इससे टीम के साथी प्रेरित होते हैं कि हमें मैच में वापसी करने का एक अच्छा मौका मिला है। इसका गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण पर भी असर दिखता है।%

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पर कोविड का साया, खिलाड़ी सहित दो सदस्य पाए गए पॉजिटिव

बेंगलुरू। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम के तैयारी शिविर पर बृहस्पतिवार को कोविड-19 का प्रकोप दिखा जब स्ट्राइकर गुरजंत सिंह और मुख्य कोच ग्राहम रीड सहित पांच खिलाड़ी वायरस के लिए पॉजिटिव पाए गए और उन्हें यहां पृथकवास पर रखा गया है। बुधवार सुबह आरटी-पीसीआर परीक्षण किया गया था। संक्रमित लोगों में हल्के लक्षण नजर आ रहे हैं। हॉकी इंडिया ने बिना किसी का नाम लिए मीडिया विज्ञप्ति में कहा, 'राष्ट्रमंडल खेल 2022 की तैयारी कर रही भारतीय पुरुष हॉकी टीम के दो खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के तीन सदस्य कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं।' टीम के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'गुरजंत और ग्राहम रीड संक्रमित हो गए हैं। टीम का वीडियो विश्लेषक भी पॉजिटिव पाया गया है।' यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के परिसर में चल रहे शिविर में 31 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं जिसमें पीआर श्रीजेश, मनप्रीत सिंह, पवन, ललित कुमार उपाध्याय, हरमनप्रीत सिंह, वरूण कुमार और अमित रोहिदास शामिल हैं। खिलाड़ी एफआईएच हॉकी प्रो लीग में बेल्जियम और नीदरलैंड के खिलाफ खेलने के बाद शिविर में पहुंचे हैं। शिविर 23 जुलाई को संपन्न होगा जिसके बाद टीम बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिए रवाना होगी।

डेविस कप 2022 : भारत 16-17 सितंबर को नार्वे से भिड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नयी दिल्ली ¬ अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने गुरूवार को घोषणा की कि मेजबान नार्वे ने पुष्टि की है कि वे अपने अगले विश्व ग्रुप एक मुकाबले में 16-17 सितंबर को भारतीय डेविस कप टीम की मेजबानी करेंगे। मेजबान के पास गुरूवार-शुक्रवार या फिर शुक्रवार-शनिवार को खेलने का विकल्प था। नार्वे ने शुक्रवार-शनिवार का विकल्प चुना। भारत इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पहली बार नार्वे से भिड़ेगा। एआईटीए ने बयान में कहा- भारत और नार्वे डेविस कप इतिहास में पहली बार एक दूसरे से भिड़ेंगे और हमें भारतीय टीम से कुछ शानदार टेनिस देखने की उम्मीद है।

मरें विम्बलडन टेनिस में हारे, जोकोविच अगले दौर में पहुंचे

विंबलडन । ब्रिटेन के शीर्ष टेनिस स्टार एंडी मरें को विम्बलडन टेनिस में हार का सामना करना पड़ा है। मरें को पुरुष एकल के दूसरे के मुकाबले में अमेरिका के जॉन इसनर ने चार सेट में 6-4, 7-6 (4), 6-7 (3), 6-4 से हराया। अब इसनर का मुकाबला तीसरे दौर में यानिक सिनर से होगा। वहीं पुरुष वर्ग में सर्बिया के नोवाक जोकोविच और कार्लोस अल्कारेज जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गये हैं पर फ्रेंच कास्पर रूड हार के साथ ही बाहर हो गये। वहीं महिला वर्ग में एनेट कोंटावीट को जर्मनी की ज्यूक नीमियर ने 4-6, 0-6 से हरा दिया। एक अन्य मुकाबले में गारबाइन मुगुरुजा को ग्रीट मिनेन ने 6-4, 6-0 से हराया। गत वर्ग की उप विजेता कैरोलिना प्लिसकोवा, जेसिका पेगुला, एंजेलिक कर्बर और येलेना ओस्टापेंको जीत के साथ ही अगले दौर में पहुंच गयी हैं।

अपनी फिटनेस से टीम के लिए मिसाल बनना चाहती हूं : हरमनप्रीत कौर

पल्लीकल (एजेंसी)।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे श्रृंखला से भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्णकालिक कप्तान के रूप में शुरूआत करने जा रही हरमनप्रीत कौर ने कहा कि वह अपनी टीम की फिटनेस और फील्डिंग के स्तर में सुधार चाहती हैं। टी20 कप्तान हरमनप्रीत को मिताली राज के संन्यास लेने के बाद वनडे टीम की कमान भी सौंपी गई है। श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला शुक्रवार से शुरू होगी जो वनडे कप्तान के रूप में उनकी पहली चुनौती है।

हरमनप्रीत ने कहा, 'मैंने टीम के लिए लक्ष्य तय किए हैं और फिटनेस सबसे अहम है। कौशल के लिए हमारे पास कोच हैं लेकिन मैं फिटनेस के लिए खुद अपने खिलाड़ियों के सामने मिसाल पेश करना चाहती हूं।' उन्होंने कहा, 'फिटनेस और फील्डिंग में सुधार की जरूरत है। यदि ऐसा हो गया तो आप सर्वश्रेष्ठ टीम बन सकते हैं।' काफी समय से टी20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि उन्हें कप्तानी में मजा आता है और पूर्णकालिक कप्तान बनने का कोई अतिरिक्त दबाव नहीं है।

उन्होंने कहा, 'जब मैं कप्तानी कर रही होती हूं तो अधिक जुड़ाव महसूस करती हूं। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है। मैदान पर नेतृत्व कौशल मेरे भीतर कुदरती है।' हरमनप्रीत ने कहा, 'इतने साल से कप्तानी के बाद चीजें आसान हो गई हैं। मुझे अतिरिक्त दबाव महसूस नहीं होता। अगर मैं कप्तान के तौर पर खेल का आनंद लूंगी तो बाकी भी लेंगे। खिलाड़ियों को आजादी देने पर प्रदर्शन बेहतर होता है और यही मेरा लक्ष्य है।'

उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि हमारे साथ खेल मनोवैज्ञानिक भी फिर होंगी। मुग्धा मैम ने हमारे लिए बहुत कुछ किया। विश्व कप में उन्होंने मेरी काफी मदद की। टीम को उनके जैसे लोगों की जरूरत है। दुख की बात है कि वह इस दौरे पर हमारे साथ नहीं है।' मग्धा बर्वे विश्व कप के दौरान खेल मनोवैज्ञानिक के तौर पर टीम के साथ थी। आईसीसी चेयरमैन ग्रेग बार्कले ने हाल ही में महिला टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंता जताई थी। हरमनप्रीत ने कहा, 'मैने अपने कैरियर में दो या तीन टेस्ट ही खेले हैं। अधिक खेलने पर ही पता चलेगा कि भविष्य कैसा है। हम टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं क्योंकि वही देखकर हम बड़े हुए हैं।'

सानिया मिर्जा और उनकी जोड़ीदार विम्बलडन के पहले दौर से बाहर

विम्बलडन। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा अपने आखिरी विम्बलडन में चेक गणराज्य की लूसी राडेका के साथ पहले ही दौर में हारकर बाहर हो गई। सानिया और लूसी को पोलैंड की मैगडलीना फ्रेंच और ब्राजील की बीत्रोज हदाद माइया ने 4.6, 6.4, 6.2 से हराया।

सानिया ने यहां 2015 में मार्तिना हिंगिस के साथ पहली बार युगल खिताब जीता था। पिछले साल वह मिश्रित युगल के तीसरे दौर में हार गई थी। अभी उन्हें मिश्रित युगल में क्रोएशिया के मेट पेविच के साथ खेलना है। दोनों का सामना पहले दौर में नटेला डी और डेविड वेगा हर्नांडिज से होगा।

मुंह के छालों से राहत पाने के लिए अपनाएं ये 4 नुस्खें

आजकल मुंह में छाले होना एक आम समस्या हो गई है। पुरूषों के मुकाबले यह समस्या ज्यादातर महिलाओं में अधिक होती है। इसका मुख्य कारण उनके हारमोन्स में अधिक उतार-चढाव आना है। यह छाले अपने आप ही कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं। इनके निकलने के कई कारण हो सकते हैं।

पेट के साफ न होने और खाना खाते समय अचानक दांतों से मुंह के अंदर की झिल्ली के कट जाने से छाले हो जाते हैं। मासिक धर्म या मेनापॉज के सामय हारमोन्स में बदलाव तथा वायरस, बैक्टीरिया या फंगस संक्रमण से निकल सकते हैं। इसके अन्य कारणें में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होना, एलर्जी होना भोजन में विटामिन सी और बी12 की कमी होना आदि शामिल हैं। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी मुंह में छाले निकल सकते हैं।

बचाव के उपाय

- खाना धीरे-धरी चबा-चबा कर खाएं। खाते समय बात न करें, ताकि दांतों से मुंह के अंदर की परत को नुकसान न पहुंचे।
- नींबू को आधा काटें, इसे छाले पर लगाएं, इससे थोडी जलन तो होगी, परंतु यह सुन्न हो जाएगा, जो अच्छा है। आखिर में थोडा शहद छाले पर लगाएं।
- शरीर की सफाई, संतुलित भोजन और पीने के साफ पानी पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है।
- कुछ दिनों तक लगातर विटामिन सी और विटामिन बी12 की गोलियां खाएं।
- माउथवाश का प्रयोग करें-कई बार कुल्ला करने से यह आपके मुख में बढने वाले जीवाणुओं को साफ करता है और इसके साथ-साथ कई मामलों में छाले में दर्द से राहत देता है। किसी बिना नुस्खा घोल का उपयोग करें, कोई भी माउथवाश इस प्रयोजन के लिए कार्यकारी है। सुबह और शाम कुल्ला करें और हो सके तो दिन के खाने के बाद भी कुल्ला करें।

स्टेरॉयड इन्हेलर्स का उपयोग रोकने से अस्थमा के बिगड़ने का खतरा

मौजूदा महामारी में सेहत व स्वास्थ्य को महत्व देना होगा। यह खासकर तब बहुत जरूरी है, जब आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है या फिर आपको किसी बीमारी का इतिहास है। अस्थमा इन्हीं में से एक है। अस्थमा बिगड़ने का मुख्य कारण श्वास की नली में वायरल संक्रमण होना है। अस्थमा के जोखिम वाले लोगों या फिर मौजूदा अस्थमा पीड़ितों के लिए सांस की नली में वायरल संक्रमण बहुत घातक हो सकते हैं। एक अनुमान के अनुसार सामान्य या फिर गंभीर अस्थमा के मरीजों को बीमारी के और ज्यादा गंभीर होने का खतरा ज्यादा होता है। भारत में लगभग 9.3 करोड़ लोग सांस की क्रोनिक समस्या से पीड़ित हैं। इनमें से लगभग 3.7 करोड़ एस्थमेटिक हैं। अस्थमा के वैश्विक भार में भारत का हिस्सा केवल 11.1 प्रतिशत है, जबकि विश्व में अस्थमा से होने वाली मौतों में भारत का हिस्सा 42 प्रतिशत है, जिस वजह से भारत दुनिया की अस्थमा कैपिटल बन गया है। अस्थमा पर सांस के वायरस के प्रभाव के चलते यह बहुत आवश्यक हो गया है कि मौजूदा समय में अस्थमा पीड़ित बहुत ज्यादा सावधानी बरतें। वायरस निर्मित समस्याओं की रोकथाम के लिए अस्थमा को अच्छी तरह से नियंत्रित करना बहुत आवश्यक है।'' मौजूदा समय में किसी बीमारी के उपचार के लिए आपातकालीन विभाग या अत्यावश्यक इलाज के लिए जाना पड़ता है ,जहां पर मरीज को किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने का जोखिम भी ज्यादा होता है। अस्थमा पीड़ितों को कभी भी अपने कॉर्टिकोस्टेरॉयड इन्हेलर तब तक लेना बंद नहीं करना चाहिए, जब तक कोई मेडिकल प्रोफेशनल उनसे ऐसा करने को न कहे। स्टेरॉयड इन्हेलर का प्रयोग बंद करने से मरीज को संक्रमण का ज्यादा खतरा हो जाएगा क्योंकि इससे अस्थमा का नियंत्रण खराब हो जाता है।'' यदि अस्थमा नियंत्रण में है, तो हॉस्पिटल के क्लिनिक जाने से बचें। आप टेलीफोन पर अपने डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं और उन्हें अपनी प्रगति के बारे में बता सकते हैं। एस्थमेटिक मरीजों को बिना योजना के क्लिनिक नहीं जाना चाहिए। सामान्य से गंभीर अस्थमा से पीड़ित लोगों को वायरल संक्रमण से बहुत ज्यादा बीमारी पड़ने का खतरा रहता है। ये संक्रमण आपकी सांस की नली (नाक, गला, फेफड़ों) को प्रभावित करते हैं, अस्थमा का अटैक लाते हैं और इनकी वजह से निमोनिया या एक्यूट रेस्पिरेटरी डिजीज हो सकती है। एक्यूट लक्षणों से आराम के लिए स्पेसर के साथ एमडीआई का उपयोग किया जा सकता है। नेबुलाईजर्स का उपयोग करने से बचें क्योंकि उनमें वायरल संक्रमण फैलने का खतरा बहुत ज्यादा होता है। नेबुलाईजर्स एयरोसोल्स बनाते हैं, जो संक्रमित ड्रॉपलेट्स को कई मीटर तक फैला सकते हैं। आपका डॉक्टर आपको इन विधियों के बारे में परामर्श देगा। सुनिश्चित करें कि आपके पास नॉन-प्रेस्क्रिप्शन दवाईयों एवं सप्लाई का 30 दिनों का स्टॉक हो, ताकि यदि लंबे समय तक आपको घर में रहने की जरूरत पड़े, तो आपको कोई परेशानी न हो।

कई गुणों से भरपूर है नारियल तेल

नारियल तेल के इस्तेमाल के कई फायदे हैं। कई गुणों से भरपूर यह तेल स्वास्थ्यपरक फायदों के लिए पीढियों से इस्तेमाल में लाया जा रहा है।

- नारियल तेल त्वचा के लिए नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, यह मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारता है, चूंकि इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है, तो इसका इस्तेमाल त्वचा रोग, डर्मेटाइटिस, एक्जिमा और स्किन बर्न में किया जा सकता है। नारियल तेल स्ट्रेच मार्क्स हटाने में भी मदद करता है और होंठ को फटने से बचाने के लिए भी इसे नियमित रूप से होंठ पर लगाया जा सकता है।
- नारियल तेल बालों को घना, लंबा और चमकदार बनाने में काफी मददगार साबति होता है। सिर का मसाज सिर्फ पांच मिनट नारियल तेल से करने से न सिर्फ रक्त संचार में वृद्धि होती है, बल्कि खो चुके पोषक तत्वों की भी भरपाई करता है, नियमित रूप से नारियल तेल से मसाज करने से बालों में रूसी नहीं होता है।
- नारियल तेल को मुंह में करीब 20 मिनट तक रखने के बाद थूक देने से मुंह के कीटाणु और मसूड़ों की समस्याएं दूर होती है। स्वस्थ मसूड़ों के लिए सप्ताह में कम से कम तीन बार ऐसा करें।
- आयुर्वेद में पित्त वृद्धि के कारण नारियल तेल का इस्तेमाल गठिया, जोड़ों के दर्द को कम करने के लिए किया जाता है। यह हड्डियों में कैल्शियम और मैग्नीशियम अवशोषित करने की क्षमता में सुधार करता है।
- नारियल तेल के इस्तेमाल से वजन भी कम किया जा सकता है। ताजे नारियल से निकाले गए तेल में अन्य नारियल तेलों की अपेक्षा ज्यादा मीडियम चेन फैटी एसिड्स (70-85 प्रतिशत) होता है। मीडियम चेन फैटी एसिड्स आसानी से ऑक्सीडाइज्ड लिपिड्स होते हैं और एडीपोज ऊतक में संग्रहित नहीं होते हैं। इस प्रकार, मुख्य रूप से मीडियम चेन फैटी एसिड युक्त नारियल का तेल वजन घटाने में मददगार साबित होता है।
- नारियल तेल लॉरिक एसिड और कैप्रिक एसिड की तरह एंटीमाइक्रोबियल लिपिड का एक समृद्ध स्रोत होता है, जो एंटीफंगल और जीवाणुरोधी होते हैं।
- खाना पकाने में नारियल का तेल ज्यादा अच्छा रहता है। इसका तेल ऑक्सीकरण के प्रति कम असुरक्षित होता है, जो इसे खाना पकाने के लिए सबसे सुरक्षित बनाता है।

औषधीय गुणों से भरपूर है लहसुन

औषधीय गुणों से भरपूर लहसुन सिर्फ खाने में स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है और वैसे भी भारतीय रसोईघर में लहसुन से मिल जायेगा । इसमें विटामिन, प्रोटीन, खनिज, लवण और फॉस्फोरस, आयरन व विटामिन ए, बी व सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। तो आज लहसुन के कुछ स्वास्थ्य संबंधी गुणों के बारें में जानते हैं.
लहसुन बैक्टिरीअल और वायरल संक्रमण को रोकने में बहुत कारगार साबित होता है। यह फंगस, यीस्ट और कीडा से इन्फेक्शन को रोकने में मदद करता है। लहसुन कानों में दर्द हो, तो लहुसन के तेल को गर्म करके दो बूंदें रोजाना दो बार 5 दिनों तक कानों में डालें। लहसुन में मौजूद जर्मेनियम, सेलेनियम और सल्फर तत्व दर्द उत्पन्न करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करने में सक्षम हैं। लहसुन का तेल तैयार करने के लिए लहसुन की 3 कलियों को कूटकर आधा कप ऑलिव ऑयल तेल में मिलाकर धीमी आंच पर 2 मिनट के लिए पकाएं। छालनकर 2 हफ्तों तक फ्रिज में रखें इस्तेमाल में लाने से पहले हल्का-सा गर्म कर लें। लहसुन खाने से जुकाम नहीं होता है। साथ ही इसमें एन्टीबैक्टिरीअल गुण गले के दर्द से राहत दिलाता हैं। अगर आप अपने बढते मोटापे से परेशान है तो अपनाएं ये लहसुन की दो कलियां को अच्छे से भून लें और फिर उसमें जीरा सैंधा नमक मिलाकर चूर्ण बना लें। इसको आप रोजाना खाली पेट गर्म पानी से लें। कुछ ही दिनों में मोटापा कम हो जाएगा।

स्वस्थ बनाने के साथ सुंदरता भी बढ़ाती है चीनी

इस भाग-दौड भरी जिन्दगी में हर किसी के कंधों पर काम की जिम्मेदारी इतनी अधिक हो जाती है। कि यह टेंशन कभी-कभी डिप्रेशन का विक्राल रूप धारण कर लेती है जिससे व्यक्ति के सोचने समझने की शक्ति खत्म हो जाती है। लेकिन अब परेशान होने की जरूरत नहीं है और ना ही डिप्रेशन से बचने के लिए ढेर सारी दवाइयाँ खाने की जरूरत है। आपको जानकर ताज्जुब हो कि सिर्फ चीनी खाने से ही आपको डिप्रेशन से राहत मिल सकती है।

चीनी का प्रयोग फिकेपन को दूर करने को किया जाता है। जब भी आपको शरीर में थकावट या लो महसूस हो तो शुगर से बने पदार्थो का सेवन करें। यह शरीर में शुगर के लेवल को ठीक कर नई ऊर्जा देता है। जैसे फ्रूरड कस्टर्ड, जूस का एक ग्लास, केक का एक टुकडा वगैहर खा कर आप पहले से ज्यादा तरोताजा फील कर सकते हैं।

ब्यूटी बेनेफिट्स

चीनी और नींबू : अगर आप फेस पर कील-मुहांसों से परेशान है तो चीनी में नींबू की कुछ बूंदे मिला ले और इससे अपने चेहरे पर हल्के हाथों से स्क्रब करें।
अगर आपकी त्वचा धूप की कारण त्वचा काली पड गई है तो 2 चम्मच कॉफी में 1 चम्मच चीनी मिला कर थोडा सा पानी मिलाएं फिर इस पेस्ट को अपने चेहरे को लगाएं। यकीन मानिये इससे आपको चेहरा साफ और ग्लोंइन हो जाएगा।
सन टैनिंग से परेशान है तो आप चीनी के साथ दही का पेस्ट बना लें फिर इसी पेस्ट से अपने चेहरे को स्क्रब करें, कुछ ही दिनों में सन टैनिंग से राहत मिलेगी।

बारिश के मौसम में न करें इन फूड्स का सेवन

बारिश के मौसम में कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है और इसीलिए इस दौरान हमें खाने-पीने से जुड़ी हुई चीजों पर भी ज्यादा ध्यान देना चाहिए। यहां पर आपको कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में बताया जा रहा है जिनका बारिश के दौरान सेवन करने से बचना चाहिए।

बारिश के मौसम में न करें इन 5 फूड्स का सेवन होगा, नहीं तो पड़ जाएंगे बीमारबारिश के मौसम में हमें कई प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन करने के दौरान विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। इसमें जरा-सी की गई लापरवाही हमारी सेहत के लिए कई समस्याएं भी खड़ी कर देती है। बारिश के मौसम में ज्यादातर लोगों को बीमार पड़ते हुए देखा जाता है क्योंकि गर्मी का मौसम खत्म होने के बाद से तापमान नीचे जाता है और तरह-तरह की स्वास्थ्य समस्याएं शुरू हो जाती हैं। बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा नुकसान खाद्य पदार्थों से पहुंचता है और कई प्रकार के फूड्स का सेवन करना बीमारी की प्रमुख वजह भी बन जाता है। इसीलिए यहां पर कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताया जा रहा है जिनका सेवन बारिश के दौरान या फिर सावन के मौसम में आप नहीं करेंगे तो यह आपको बीमारियों से बचाए रखेगा। आपको इसका कारण भी बताया जाएगा कि क्यों इन फूड्स का सेवन नहीं करना चाहिए।

पालक

पालक आपको बारिश के मौसम में भी बड़ी आसानी से मिल जाएगी लेकिन इसका सेवन ना करने की सलाह दी जाती है। इसके वैज्ञानिक कारण को अगर समझने की कोशिश करेंगे तो यह बेहद आसान है। दरअसल बारिश के मौसम में छोटे-छोटे कीटाणु वायरस और बैक्टीरिया जो आंखों से दिखाई भी नहीं देते हैं वह पालक के पत्तों में चिपके रहते हैं। इन कीटाणुओं को भगाने के लिए हानिकारक कीटनाशक का भी प्रयोग किया जाता है, जो कि सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

बैंगन

बारिश के मौसम में कई लोगों के द्वारा बैंगन का चोखा बनाकर भी खाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जबकि इसका सेवन करने से बचना चाहिए। दरअसल, बारिश के मौसम में बैंगन के अंदर छोटे-छोटे कीड़े पड़ना शुरू हो जाते हैं। यह कीड़े पेट दर्द और पेट से जुड़ी कई प्रकार की समस्याओं का प्रमुख कारण भी बन सकते हैं। यही वजह है कि सावन के मौसम में खासकर बैंगन का सेवन करने से बचना चाहिए।

दूध

दूध सेहत के लिए बेहतरीन फायदे पहुंचाता है और हम कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से भी बचे रहते हैं। बारिश के दिनों में दूध का सेवन न करने की सलाह देने के अलग-अलग कारण

बताए जाते हैं। मुख्य रूप से ध्यान देने वाली बात यह है कि बारिश के मौसम में जानवरों को खिलाया जाने वाला हरा चारा बैक्टीरिया और कीटाणुओं का घर बन जाता है। यह दूध की अच्छी क्वालिटी को भी प्रभावित करता है। इस कारण बारिश के दिनों में दूध का सेवन करने से पहले इसे खूब अच्छी तरह उबालना चाहिए। जितना कोशिश हो सके इस दौरान दूध का सेवन करने से बचे रहें और दूध से मिलने वाले पौष्टिक तत्वों की पूर्ति के लिए किसी अन्य फूड का सहारा लें।

तले-भुने और स्ट्रीट फूड से करें परहेज

तली भुनी हुई चीजों और खासकर स्ट्रीट फूड का सेवन बारिश के दिनों में नहीं करना चाहिए। इनसे भी संक्रमण का खतरा ज्यादा रहता है। स्ट्रीट फूड का सेवन करने के कारण आप विभिन्न प्रकार की परेशानी से जूझ सकते हैं। खासकर यदि आप पानीपुरी का सेवन करते हैं तो पानीपुरी का दूषित पानी डायरिया या फिर लूज मोशन की समस्या खड़ी सकता है। इसलिए बारिश के दिनों में खाने पीने की चीजों में विशेष सावधानी जरूर बरतें।

मांस और मछली

मांस और मछली मुख्य रूप से बारिश के दिनों में नहीं खाना चाहिए। सावन के महीने में खासकर इसका सेवन न करने की सलाह दी जाती है और इसका वैज्ञानिक कारण भी है। इस दौरान हवा में भी कई ऐसे हानिकारक बैक्टीरिया मौजूद रहते हैं जो मांस और मछलियों को दूषित कर देते हैं। इसके अलावा बारिश के दिनों में मछलियों के अंडे देने का वक्त होता है। अंडा एक विशेष प्रकार की फूड एलर्जी का भी गुण रखता है जो गले में इंफेक्शन हो सूजन का मुख्य कारण हो सकता है। इसलिए बारिश का सीजन खत्म होने तक नॉनवेज फूड का सेवन करने से बचें।

अफगानिस्तान में छूटे अमेरिका के खतरनाक हथियार कहां गए? इस देश में हो रही स्मगलिंग

वाशिंगटन। पिछले साल अमेरिका ने जब अफगानिस्तान छोड़ा था तो कुछ बड़े हथियार वहीं रह गए थे। अब सवाल यह है कि छुटे हुए हथियार वहीं है या लापता हो गए हैं? इसको लेकर अब बहुत बड़ा खुलासा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अफगानिस्तान की सत्ता पर बैठे तालिबानी अब अमेरिका के बचे हथियारों को बेचने में लगा हुआ है। आपको जानकर बड़ी हैरानी होगी लेकिन तालिबान जिसे यह हथियार बेच रहा है वो देश और कोई नहीं बल्कि खुद पाकिस्तान है। सूत्रों के मुताबिक, अफगानिस्तान के जाबुल प्रांत की खुली मार्केट में अमेरिका के बड़े-बड़े हथियार बहुत ही आसानी से बिकते हुए नजर आ रहे है। इन हथियारों को स्मगलिंग के जरिए पाकिस्तान पहुंचाया जा रहा हैं। अफगानिस्तान में कार्यरत पाकिस्तान मीडिया के मुताबिक, तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद सरकारी सेना हजारों असॉल्ट राइफलें, बुलेट प्रूफ जैकेट, हेलमेट, मशीनगन और दूसरे हथियारों पर कब्जा कर लिया था। इन हथियारों को अब तालिबान के कमांडर जाबुल प्रांत की खुली मार्केट में बेच रहे हैं। इन हथियारों को खरीदकर पाकिस्तान पहुंचा दिया जाता है। इस बीच दक्षिण कंधार प्रांत में के लड़ाकों ने कई बड़े हथियार पकड़े हैं। इन हथियारों को स्मगलिंग करके पाकिस्तान पहुंचाया जा रहा है। इन हथियारों में एके-47 राइफलें, हजारों गोलियां और 19 रॉकेट लॉन्चर शामिल हैं। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं मुल्ला अब्दुल गनी ने इस बात से इनकार कर दिया कि पाकिस्तान को हथियार पहुंचाने के मामले में तालिबान कमांडरों का कोई हाथ है। उन्होंने कहा कि ये हथियार अफगानिस्तान की संपत्ति हैं और इन्हें किसी भी सूरत में देश से बाहर नहीं ले जाने दिया जाएगा।

प्रौद्योगिकी साझा करना चाहते हैं लेकिन आईपी से जुड़ी शिकायतें हैं: इजराइल

यरूशलम। भारत और इजराइल के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। इसके बीच भारत में इजराइल के राजदूत ने 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रौद्योगिकी साझा करने की इच्छा जताई है। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने बौद्धिक संपदा नियमों के उल्लंघन को लेकर चिंता भी व्यक्त की है। इजराइल के विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलन ने बुधवार को कहा कि 'मेक इन इंडिया' में हम सभी की दिलचस्पी है और भारत के साथ सहयोग की अनंत संभावनाएं भी नजर आ रही हैं। हालांकि, भारत में इजराइल की कंपनियों की ओर से उन्हें आईपी समस्या से जुड़ी तीन गंभीर शिकायतें मिली हैं। गिलन ने कहा, ''दो-तीन हफ्ते पहले हमारे रक्षा मंत्री भारत दौरे पर गए थे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी मुलाकात हुई थी तब 'मेक इन इंडिया' के बारे में बात हुई थी। हम सभी की इसमें रुचि है और भारत के साथ सहयोग करने की अपार संभावनाएं हैं।'' उन्होंने कहा, ''इजराइल की प्रौद्योगिकी और भारत की प्रौद्योगिकी का मेल, आपकी विनिर्माण क्षमता, दुनियाभर में कई और देशों में बिक्री करने की क्षमता, विशेषकर मुस्लिम देशों में आपके व्यापक राजनयिक संपर्कों की वजह से अपार संभावनाएं हैं। और इजराइल को 'मेक इन इंडिया' में बहुत दिलचस्पी है।'' गिलन ने कहा, ''हम प्रौद्योगिकी साझा करने के लिए तैयार है लेकिन मैं यह भी बिलकुल स्पष्ट कहना चाहता हूं कि आईपी से संबंधित समस्या है।

इतिहास में सबसे बड़ी राजनीतिक वापसी! फिलीपीन में पूर्व तानाशाह के बेटे ने ली राष्ट्रपति पद की शपथ

मनीला। फिलीपीन में पूर्व तानाशाह के बेटे फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने बृहस्पतिवार को देश के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। राजधानी मनीला के राष्ट्रीय संग्रहालय में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। फिलीपीन में इस घटना को हाल के इतिहास में सबसे बड़ी राजनीतिक वापसी में से एक माना जा रहा है। लेकिन, मार्कोस के विरोधियों का कहना है कि उनके परिवार की छवि सुधरने के बाद ही ऐसा हो सका है। फिलीपीन के तानाशाह एवं फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के पिता फर्डिनेंड मार्कोस को 36 साल पहले सेना के समर्थन से सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। जनता के इस विद्रोह के परिणामस्वरूप मार्कोस जूनियर के पिता की वैश्विक स्तर पर काफी आलोचना हुई थी। इसके बाद फिलीपीन में लोकतांत्रिक राजनीति का स्तर ऊपर उठा। मार्कोस जूनियर के पिता के शासनकाल में अत्याचारों का सामना करने वाले कार्यकर्ताओं और कुछ अन्य लोगों ने मार्कोस जूनियर के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने का विरोध किया है।

2015 में फ्रांस में आतंकियों ने सरेआम किया था मासूमों का कत्लेआम! सात साल बाद कोर्ट ने 20 लोगों को ठहराया दोषी

पेरिस। सआदत हसन मंटो एक पाकिस्तानी नाटककार और लेखक थे उन्होंने आज के जमाने से पूरी तरह से मेल खाती हुई एक बात कही थी कि 'मज़हब जब दिलों से निकलकर 'दिमाग़ पर चढ़ जाए तो ज़हर बन जाता है' और जहर क्या क्या कर सकता है इसकी जानकारी एक मासूम बच्चे को भी होती है। जैसे भारत में आज कई लोगों के दिलों में बसने वाला उनका धर्म दिमाग में चढ़ गया हैं और उदयपुर जैसी वारदातों को अंजाम दे रहा हैं, इसी तरह साल 2015 में धर्म के नाम पर मासूमों का खूब खून बहाया गया था। शार्ली एब्दो नरसंहार जैसे कई हमलों को फ्रांस में आतंकियों ने अंजाम दिया था। खुद को धर्म का ठेकेदार कहने वाले आईएसआईएसआई आतंकवादी समूह ने इन हत्याओं को उनके 'खुदा के अपमान का बदला' करार दिया था और पूरी दुनिया को धमकी दी थी कि जो कोई उनके धर्म के बारे में कुछ भी कहेगा तो उसका सरेआम कत्लेआम किया जाएगा। सरेआम मासूमों की जान लेकर इन आतंकियों को लगता है खुदा इनको जन्नत बख्सेगा। हैवानों वाले काम करके इन्हें लगता है कि उन्हें खुदा अपने चरणों में जगह देगा! खैर दुनियां में सेकड़ों आतंकवादी समूह है और वह सालों से धर्म के नाम पर दुनिया में आतंक बचा रहे हैं। नयी-नयी तकनीकों के हथियार का इस्तेमाल कर रहे हैं। हथियारों के बिजनेस की आंड़ में खुले बाजार में कुछ बिजनेसमैन मासूमों की जान का सौदा कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर आतंकी वारदातों की दिखावे के लिए आलोचना कर रहे हैं। सालों से यहीं चल रहा हैं।

पाकिस्तान ने उदयपुर घटना के आरोपी के इस्लामी संगठन से संबंधों की खबर को खारिज किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने बुधवार को इन खबरों को खारिज किया कि उदयपुर में एक दर्जी की निर्मम हत्या करने के आरोपियों में से एक के कराची स्थित इस्लामी संगठन से संबंध रहे हैं। रियाज अख्तरी और गौस मोहम्मद नामक दो लोगों ने मंगलवार को भारत के राजस्थान प्रांत के उदयपुर में कन्हैया लाल की हत्या कर दी और वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने इस्लाम के अपमान का बदला लिया है। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक एमएल लाठर ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि दो मुख्य आरोपियों में से एक का कराची स्थित इस्लामी संगठन दावत-ए-इस्लामी से संबंध है और वह 2014 में कराची गया था। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने यहां एक बयान में कहा कि उसने भारतीय मीडिया के एक तबके में उदयपुर में हुई हत्या की घटना से संबंधित रिपोर्ट देखी है, जिसमें आरोपी व्यक्तियों के पाकिस्तान के एक संगठन से जुड़े होने की बात कही गई है। इसने कहा, ''हम इस तरह के किसी भी आरोप को स्पष्ट रूप से खारिज करते हैं जो नयी दिल्ली द्वारा देश (पाकिस्तान) को बदनाम करने का एक प्रयास है।

प्रतिबंध नहीं लगाए जाएं, तो रूस से सस्ता तेल खरीद सकता है पाकिस्तान: मंत्री

इस्लामाबाद। यदि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध नहीं लगाए जाते हैं, तो पाकिस्तान का इरादा रूस से सस्ता तेल खरीदने का है। मीडिया रिपोर्ट में बुधवार को एक मंत्री के हवाले से यह जानकारी दी गई है। रिफिनिटिव के आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान का ईंधन आयात जून में चार साल के उच्चस्तर पर पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले महीने मई के 6,30,000 टन से बढ़कर जून में 7,00,000 टन हो गया। मंगलवार को 'जियो न्यूज' के एक कार्यक्रम के दौरान पेट्रोलियम राज्य मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा, ''रूस से सस्ता तेल आयात करने के बारे में पाकिस्तान का रवैया उदार है।'' हालांकि, मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान रूसी तेल को रियायती दरों पर खरीदने के लिए तैयार है, जब तक कि ''इस तरह के सौदों को सुनिश्चित करने के परिणामस्वरूप उसपर भी तरह का अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध नहीं लगाया जाता।

मनीला में नये राष्ट्रपति फर्डिनाद बोंगबोंग को शपक दिलाते हुए मुख्य न्यायाधीश एलेकजेंडर गेसमुंडो।

25वीं वर्षगांठ पर हांगकांग पहुंचे चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, समर्थकों ने लहराए चीनी झंडे

हांगकांग। हांगकांग को चीनी शासन को सौंपने की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग बृहस्पतिवार को यहां पहुंचे। चीनी और हांगकांग के झंडे लहराते हुए उनके समर्थकों ने कहा, ''स्वागत है, स्वागत है! गर्मजोशी से आपका स्वागत है।'' कोरोना वायरस महामारी के करीब ढाई साल पहले सामने आने के बाद चिनफिंग की मुख्य भूमि से बाहर यह पहली यात्रा है। उनकी यात्रा ऐसे समय हो रही है जब हांगकांग वायरस से संक्रमण के एक नए दौर का सामना कर रहा है। ब्रिटेन ने हांगकांग एक जुलाई, 1997 को चीन को लौटा दिया था। ट्रेन से उतरते ही चिनफिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन का शहर की नेता कैरी लैम ने स्वागत किया। चिनफिंग ने उन समर्थकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया, जिन्होंने मंच पर उनका स्वागत किया। चिनफिंग ने हांगकांग वेस्ट कॉव्लून ट्रेन स्टेशन पर एक भाषण में कहा, मैं हांगकांग में आकर बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा, ''मैं पिछले पांच वर्षों से हांगकांग के बारे में ध्यान दे रहा हूं। चिनफिंग ने कहा कि हांगकांग ने पिछले कई वर्षों में कई चुनौतियों का सामना किया है। चिनफिंग और पेंग बृहस्पतिवार की रात चीनी शहर शेनझेन में बिता सकते हैं। हांगकांग से शेनझेन जाने में ट्रेन के जरिये 15 मिनट का समय लगता है। वे कुछ कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार की सुबह हांगकांग लौटेंगे।

अमेरिकी राज्यों के गवर्नर चाहते हैं भारत के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंध

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी राज्यों के गवर्नरों और शीर्ष अधिकारियों के समूह ने भारत के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंधों और भारतीय कॉरपोरेट जगत से निवेश को अमेरिका में आने पर जोर दिया है। इस समूह में शामिल अमेरिकी राज्यों के गवर्नरों और शीर्ष अधिकारियों का कहना है कि इससे न केवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बल्कि नए कौशल भी अमेरिका को मिलेंगे और अमेरिका में रोजगारों का सृजन होगा। वाशिंगटन में वार्षिक सिलेक्ट यूएसए इन्वेस्टमेंट समिट में शामिल होने आए 100 से अधिक भारतीय उद्योगपतियों के समूह के समक्ष पेनसिल्वेनिया, अरकान्सस और कैलिफोर्निया के गवर्नरों समेत कई अधिकारियों ने अपनी बात रखी।

एक खबर के मुताबिक अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू द्वारा इंडिया हाउस में आयोजित कार्यक्रम में अमेरिकी राज्यों के गवर्नरों और शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि भारतीय कारोबारियों का उनके राज्यों की अर्थव्यवस्था में योगदान है, वे नए कौशल को लेकर आते हैं और सबसे महत्वपूर्ण यह कि आकर्षक रोजगारों का सृजन करते हैं। पेनसिल्वेनिया के रिपब्लिकन गवर्नर टॉम वोल्फ ने कहा कि उन्हें गर्व है कि उन्होंने भारत के साथ मित्रता को बनाए रखा, वह उसकी सराहना करते हैं।

अरकान्सस से डेमोक्रेटिक पार्टी गवर्नर असा हचिनसन ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंधों को दोनों पक्षों का समर्थन हासिल है। गवर्नरों और अन्य शीर्ष अधिकारियों का स्वागत करते हुए संधू ने कहा कि भारतीय कंपनियां अमेरिका में मजबूती, जुझारूपन और प्रतिस्पर्धा की भावना लाती हैं। उन्होंने कहा कि इन कंपनियों ने स्थानीय समुदायों के लिए रोजगारों का सृजन किया है। गौरतलब है कि अमेरिका में भारतीय समुदाय का इकोनॉमी के कई क्षेत्रों में बहुत ज्यादा दखल है। अमेरिका की कई बड़ी और शीर्ष टेक कंपनियों के आला अधिकारी इस समय भारतीय मूल के हैं। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की एक बड़ी संख्या पेशेवर तौर विशेष रूप से आईटी सेक्टर में काफी सफल है।

इजराइल की संसद भंग, 4 साल में पांचवीं बार देश में होंगे आम चुनाव, क्या दोबारा बेंजामिन नेतन्याहू की होगी वापसी

यरुशलम। (एजेंसी)।

इजराइल की संसद बृहस्पतिवार को भंग कर दी गई और चार साल से भी कम समय में पांचवीं बार नवंबर में आम चुनाव कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। देश की संसद ने इस संबंध में निर्णय लिया। इजराइल के विदेश मंत्री और निवर्तमान सरकार के गठन में प्रमुख भूमिका निभाने वाले यैर लैपिड शुक्रवार को मध्यरात्रि के बाद देश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनेंगे। वह 14वें व्यक्ति होंगे जो यह पदभार संभालेंगे। उल्लेखनीय है कि (निवर्तमान प्रधानमंत्री) नफ्ताली बेनेट इजराइल के इतिहास में सबसे कम समय तक प्रधानमंत्री पद पर रहे हैं। उनकी सरकार गठन होने के एक साल बाद ही गिर गई। इजराइल के इतिहास में सबसे लंबे समय 12 साल तक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को अपदस्थ कर बेनेट की सरकार बनी थी। इसके लिए अलग-अलग विचारधारा की आठ पार्टियां एकजुट हुई थीं। संसद को भंग करने के प्रस्ताव का 92 सदस्यों ने समर्थन किया जबकि किसी सदस्य ने इसका विरोध नहीं किया। आम चुनाव अब एक नवंबर को होंगे।

कोरोना वायरस संक्रमण के मामले दुनिया में लगभग हर जगह बढ़ रहे हैं: डब्ल्यूएचओ

जिनेवा। (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार वैश्विक स्तर पर 41 लाख से अधिक मामले सामने आने के बाद पिछले सप्ताह कोरोना वायरस संक्रमण के नये मामलों की संख्या में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने महामारी पर अपनी नवीनतम साप्ताहिक रिपोर्ट में कहा कि दुनियाभर में मौतों की संख्या लगभग 8,500 रही, जो पिछले सप्ताह की तरह ही है। रिपोर्ट के अनुसार, तीन क्षेत्रों पश्चिम एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और अमेरिका में कोविड से संबंधित मौत के मामलों में वृद्धि हुई है।

बुधवार देर रात जारी रिपोर्ट के अनुसार, कोविड????-19 के नये मामलों में सबसे बड़ी साप्ताहिक वृद्धि पश्चिम एशिया में देखी गई, जहां 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि यूरोप और दक्षिण पूर्व एशिया में संक्रमण लगभग 32 प्रतिशत और अमेरिका में लगभग 14 प्रतिशत बढ़ा है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधनोम गेब्रेयेसस ने कहा कि 110 देशों में मामले बढ़ रहे हैं और ज्यादातर मामले ओमीक्रोन बीए.4 और बीए.5 के हैं। उन्होंने कहा, ''यह महामारी बदल रही है, लेकिन यह खत्म नहीं हुई है।'' उन्होंने देशों से स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और 60 से अधिक उम्र के लोगों सहित अपनी सबसे संवेदनशील आबादी समूहों का टीकाकरण करने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि लोगों का टीकाकरण नहीं होता है तो गंभीर बीमारी और मौत का खतरा है। टेड्रोस ने कहा कि वैश्विक स्तर पर 1.2 अरब से अधिक कोविड-19 टीके लगाए जा चुके हैं और गरीब देशों में औसत टीकाकरण दर लगभग 13 प्रतिशत है।

इमरान खान ने उपहार मिली कीमती घड़ियों को बेच कर पाक के खजाने को लगाई करोड़ों की चपत

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

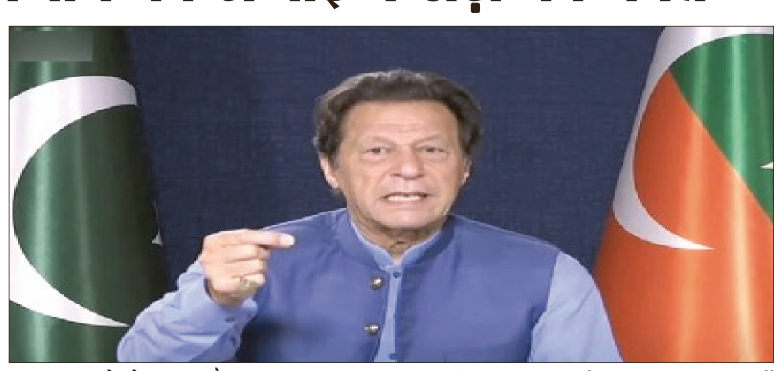

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की एक हरकत ने देश के खजाने को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। दरअसल, विदेशी नेताओं से तोहफे में मिली तीन महंगी घड़ियों को अवैध तरीके से बेचकर इमरान खान ने 3.6 करोड़ रुपये कमाए। पाकिस्तानी मीडिया एक आधिकारिक जांच विवरण के हवाले से दावा किया है कि खान ने प्रधानमंत्री रहने के दौरान इन रत्न जड़ित कीमती घड़ियों से करोड़ों रुपये कमाए हैं जिनकी कुल कीमत 15.4 करोड़ रुपये है। पाकिस्तान के कानून के मुताबिक, विदेशी नेताओं से मिलने वाले किसी भी उपहार को सरकारी खजाने में जमा कराना होता है। खबर में कहा गया है कि सबसे महंगी घड़ी की कीमत 10.1 करोड़ रुपये थी जिसे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने उसकी कीमत का 20 फीसदी देकर अपने पास रखा है। इससे पहले उनकी सरकार ने 'तोशाखाना' नियमों में बदलाव किया था और तय किया था कि तोहफे की मूल कीमत का 50 फीसदी का भुगतान करके उसे अपने पास रखा जा सकता है। किसी भी सरकारी अधिकारी के लिए जरूरी है कि वह उसे मिले तोहफे के बारे में फौरन सूचना दे ताकि उसकी कीमत का आकलन किया जा सके। अगर कोई अधिकारी उपहार को अपने पास रखना चाहता है तो वह पहले उसे जमा कराए और फिर उसकी निश्चित कीमत अदा कर उसे ले सकता है।

खबर में दस्तावेजों और बिक्री की रसीदों के हवाले से कहा गया है कि तोशाखाने से अपने पैसे से इन कीमती घड़ियों को खरीदने के बजाय पूर्व क्रिकेटर ने पहले घड़ियों को बेचा और हर घड़ी के मूल्य का 20 फीसदी सरकारी खजाने में जमा करा दिया। जाहिर तौर पर तोहफों को कभी भी तोशाखाने में जमा नहीं कराया गया। तोशाखाना के दस्तावेजों से पता चलता है कि इमरान खान ने इन महंगी घड़ियों को बेचकर 3.6 करोड़ रुपये कमाए हैं जो खाड़ी के मित्र राष्ट्रों ने उन्हें दी थीं। एक घड़ी को 22 जनवरी 2019 को बेचा गया। इससे पहले तब की पीटीआई सरकार ने नियमों में संशोधन किया था और किसी भी उपहार को अपने पास रखने की कीमत उसके निर्धारित मूल्य के 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत तय की थी।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के प्रमुख 69 वर्षीय इमरान खान ने पहले पत्रकारों से साथ अनौपचारिक बातचीत के दौरान इस बाबत कहा था, मेरा तोहफा मेरी मर्ज़ी। यह मामला तब सामने आया था जब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था कि खान ने अपने कार्यकाल के दौरान तोशाखाने के तोहफे दुबई में 14 करोड़ रुपये में बेच दिए। इस बीच, मौजूदा गठबंधन सरकार पर भ्रष्टाचार का इल्ज़ाम लगाते हुए इमरान खान ने मंगलवार को कहा कि मुल्क की अर्थव्यवस्था तभी ठीक हो सकती है जब ज़रदारी और शरीफ परिवारों के विदेश में जमा अरबों डॉलर को वापस लाया जाए। पूर्व प्रधानमंत्री ने निष्पक्ष और पारदर्शी आम चुनाव कराने की मांग को दोहराते हुए कहा कि देश को राजनीतिक उथल-पुथल से बाहर निकालने का सिर्फ यही तरीका है।

यूएन रिपोर्ट- साल-2035 तक 67.5 करोड़ का आंकड़ा छू लेगी भारत की शहरी आबादी

जिनेवा (एजेंसी)।

भारत की जनसंख्या का दबाव शहरी इलाको में काफी विस्फोटक हो सकता है यह बात यूएन की ताजा रिपोर्ट से पता चली है। भारत की शहरी आबादी के 2035 तक 67.5 करोड़ हो जाने का अनुमान है और इस मामले में देश चीन की एक अरब शहरी जनसंख्या के मुकाबले दूसरे स्थान पर होगा। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 महामारी के बाद दुनिया में शहरों में रहने वालों की संख्या पिछले स्तर पर पहुंच गई है और 2050 तक इसमें 2.2 अरब की वृद्धि की संभावना है। दुनिया में शहरीकरण के बारे में संयुक्त राष्ट्र की बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि तेजी से शहरीकरण पर कोविड-19 महामारी का अस्थायी असर पड़ा है और इसकी रफ्तार महज थोड़ी देरी के लिये धीमी पड़ी है।

इसमें कहा गया है कि वैश्विक शहरी आबादी पिछले स्तर पर आ गयी है और 2050 तक इसमें 2.2 अरब की वृद्धि का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार भारत की शहरी आबादी के 2035 में 67,54,56,000 तक पहुंच जाने का अनुमान है जो 2020 में 48,30,99,000 था। वहीं 2025 तक इसके 54,27,43000 और 2030 तक 60,73,42,000 हो जाने की संभावना है। इसमें कहा गया है कि वर्ष 2035 तक शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का प्रतिशत कुल आबादी का 43.2 प्रतिशत हो जाएगा। रिपोर्ट में चीन के बारे में कहा गया है कि वहां 2030 तक शहरी आबादी 1.05 अरब हो जाएगी। जबकि एशिया में शहरों में रहने वाले लोगों की जनसंख्या 2.99 अरब होगी। दक्षिण एशिया में यह संख्या 98.76 करोड़ होगी। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार चीन और भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की वैश्विक आबादी में बड़ी हिस्सेदारी है तथा इन देशों में आर्थिक वृद्धि से वैश्विक असमानता पर सकारात्मक रूप से असर पड़ा है।

इसमें कहा गया है, 'एशिया में पिछले दो दशकों में चीन और भारत की आर्थिक वृद्धि और शहरीकरण तेजा से बढ़ा है। इससे गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या में काफी कमी आई है।' रिपोर्ट के अनुसार खासकर निम्न आय वाले देशों में जन्म दर बढ़ने के साथ मौजूदा शहरी आबादी में वृद्धि जारी रहेगी। इसके साथ 2050 तक कुल वैश्विक आबादी में शहरों में रहने वाले लोगों की जनसंख्या 68 प्रतिशत पहुंचने का

अनुमान है जो अभी 56 प्रतिशत है। इसमें कहा गया है कि गरीबी और असमानता शहरों के समक्ष सबसे कठिन और जटिल समस्याओं में से एक है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एससी-एसटी के खिलाफ अपराध के मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने में देर नहीं हो : गृह मंत्रालय

गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों से कहा है, कि अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के खिलाफ अपराध के मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने में देरी नहीं होनी चाहिए और जिन मामलों की जांच दो माह से अधिक वक्त तक चले, उनकी करीब से निगरानी की जानी चाहिए। सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे पत्र में गृह मंत्रालय ने कहा है, कि जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) एससी-एसटी के खिलाफ मामलों में त्वरित सुनवाई के लिए पुलिस अधिकारी एवं आधिकारिक गवाहों सहित अभियोजन के सभी गवाहों की वक्त पर पेशी और सुरक्षा को सुनिश्चित करें।

पत्र में कहा गया है, एससी-एसटी के खिलाफ अपराध के मामलों में प्राथमिकी दर्ज होने में देरी नहीं होनी चाहिए। एससी-एसटी के खिलाफ अपराध के मामलों की उचित स्तर पर निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिये, जो प्राथमिकी दर्ज होने से लेकर सक्षम अदालत द्वारा मामले के निपटारे तक होना चाहिये।' मंत्रालय ने कहा कि जांच में देरी होने (प्राथमिकी दर्ज होने की तारीख से 60 दिन से अधिक समय होने) पर हर तीन महीने में जिला एवं राज्य स्तर पर इसकी निगरानी की जाए और जहां भी जरूरत हो विशेष पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) को छानबीन तेज करने के लिए नियुक्त किया जाए।

गृहमंत्रालय पत्र के मुताबिक, राज्य सरकारों में संबंधित अधिकारियों को राष्ट्रीय एससी-एसटी आयोग सहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त एससी-एसटी के खिलाफ अत्याचार के मामलों की रिपोर्ट की उचित अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि उन इलाकों की पहचान की जाए जहां समुदाय पर अत्याचार होने का खतरा होता है, ताकि एससी-एसटी समुदाय के सदस्यों के जान और माल की रक्षा के लिए एहतियाती उपाय किए जा सकें। उसमें कहा गया है कि इसतरह के संवेदनशील इलाकों के थानों में पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों की तैनाती की जानी चाहिए।

पत्र में कहा गया है, एससी-एसटी के खिलाफ अपराध के मामलों की सुनवाई में होने वाली देरी की समीक्षा निगरानी समिति में या जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में होने वाली मासिक बैठक में नियमित रूप से की जानी चाहिए जिसमें जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और जिले के लोक अभियोजक शामिल होते हैं। पत्र में कहा गया है कि केंद्र सरकार अपराध रोकथाम से संबंधित मामलों को काफी अहमियत देती है और वह समय-समय पर राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन को रोकथाम पर जोर देने के साथ-साथ आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रबंधन पर अधिक ध्यान देने की सलाह देती रही है और उसका अधिक जोर एससी-एसटी के खिलाफ जुर्म समेत अपराध की रोकथाम और नियंत्रण पर रहा है।

दबे पांव आ रही कोरोना की चौथी लहर ऐक्टिव मामले एक लाख पार

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस की चौथी लहर क्या दबे पांव दस्तक दे रही है? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि बीते काफी दिनों से कोरोना के नए केसों में लगातार इजाफा हो रहा है। यही नहीं इसके चलते ऐक्टिव केसों की संख्या 1 लाख के पार पहुंच गई है। गुरुवार को बीते एक दिन में नए केसों का आंकड़ा 18,819 दर्ज किया गया है। इसके साथ ही ऐक्टिव केसों की संख्या तेजी से बढ़ते हुए 1,04,555 हो गई है। ऐसा करीब 4 महीने के बाद हुआ है, जब कोरोना के ऐक्टिव केसों की संख्या 1 लाख से ज्यादा हो गई है। इसके अलावा 130 दिनों के बाद पहली बार नए केसों का आंकड़ा भी 18,000 से ज्यादा आया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के डेटा के मुताबिक अब तक देश में कोरोना संक्रमण के चलते 5,25,116 मौतें हो चुकी हैं। बीते एक दिन में ही इस वायरस से संक्रमित 39 लोगों की मौत हो गई है। दरअसल संकट इसलिए बढ़ रहा है क्योंकि रिकवर होने वाले लोगों की संख्या लगातार नए केसों के मुकाबले कम बनी हुई है। इसी के चलते ऐक्टिव मामले बढ़ते जा रहे हैं। फिलहाल कोरोना का रिकवरी रेट 98.55 फीसदी पर बना हुआ है। वहीं डेली पॉजिटिविटी रेट की बात करें तो यह 4.16 पर्सेंट है और वीकली पॉजिटिविटी रेट 3.72 फीसदी है। इसके अलावा कोरोना संक्रमण से मरने वालों की दर 1.21 फीसदी बनी हुई है। इस बीच देश में कोरोना वैक्सीन लगाने का अभियान भी तेजी से बढ़ रहा है।

मणिपुर- भूस्खलन से सेना का टेरिटोरियल शिविर तबाह, 2 की मौत; बचाव कार्य जारी

इंफाल । पूर्वोत्तर में भारी बारिश के कारण मणिपुर के नोनी जिले में जिरीबाम-इंफाल रेलवे लाइन के पास भारी भूस्खलन हुआ है। यहां पास में ही सेना का टेरिटोरियल कैंप है। भूस्खलन के चलते अब तक कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग लापता हो गए। बचाव अभियान जारी है। समाचार के मुताबिक अब तक 13 लोगों को बचा लिया गया है। घायलों का इलाज नोनी आर्मी मेडिकल यूनिट में किया जा रहा है। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को निकालने का काम जारी है। इम्फाल फ्री प्रेस के मुताबिक मृतकों की पहचान भारतीय सेना की 107 प्रादेशिक सेना के कर्मियों के रूप में की गई। ये लोग मणिपुर के नोनी जिले में तुपुल रेलवे स्टेशन के पास जिरीबाम से इंफाल तक एक निर्माणाधीन रेलवे लाइन की सुरक्षा के लिए तैनात थे।

रिपोर्टों के अनुसार, बड़े पैमाने पर भूस्खलन ने इजेई नदी को पूरी तरह से अवरुद्ध कर दिया है। इस बीच, पीआईबी रक्षा विंग ने एक बयान में कहा कि भारतीय सेना और असम राइफल्स के जवानों द्वारा बड़े पैमाने पर बचाव अभियान जारी है। साइट पर मौजूद इंजीनियर संयंत्र उपकरणों को बचाव प्रयासों में लगाया गया है। सुबह साढ़े पांच बजे तक 13 लोगों को बचा लिया गया। घायलों का इलाज नोनी आर्मी मेडिकल यूनिट में किया जा रहा है। भूस्खलन के कारण एजाई नदी का बहाव प्रभावित हुआ है। ताजा भूस्खलन और खराब मौसम से बचाव कार्यों में बाधा आ रही है। हालांकि लापता लोगों को बचाने के लिए ठोस प्रयास किया जा रहा है। सेना के हेलीकॉप्टर बचाव के लिए तैयार हैं। ये सब मौसम साफ होने का इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से मणिपुर में भयंकर बारिश हो रही है।

जलभराव को लेकर तंज कसते हुए अखिलेश ने कहा, ''कुछ दिन तो तैरिए गोरखपुर में''

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुजरात पर्यटन के विज्ञापन में बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन की मशहूर पंक्ति ''कुछ दिन तो गुजारो गुजरात में'' की तर्ज पर गोरखपुर में बारिश के कारण हुए जलभराव पर तंज कसते हुए कहा, ''कुछ दिन तो तैरिए गोरखपुर में''। यादव ने सोशल मीडिया मंच ट्विटर पर बृहस्पतिवार को जलभराव की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, '' यह है भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के राज में विकास की झीलों से सजा भाजपाई भ्रष्टाचार का भाजपाताल- 'जल नगर' गोरखपुर।'' उन्होंने गुजरात पर्यटन की मशहूर पंक्ति ''कुछ दिन तो गुजारो गुजरात में'' की तर्ज पर कहा, '' गोरखपुर पर्यटन आपको आमंत्रित करते हुए कह रहा है - कुछ दिन तो तैरिए गोरखपुर में।'' गौरतलब है कि गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र है।

सोशल मीडिया पर पीएम मोदी और अमित शाह को मिली धमकी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सिर कलम करने की धमकी देते हुए सोशल मीडिया पर कथित तौर पर एक पोस्ट करने वाले व्यक्ति को यहां गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि आरोपी ने अपने पोस्ट में कहा था कि आरएसएस और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को पार्टी की निलंबित प्रवक्ता नुपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मोहम्मद पर की गयी विवादित टिप्पणियों के लिए माफी मांगनी चाहिए, वरना उनका सिर कलम कर दिया जाएगा। पुलिस ने बताया कि मुगलपुरा पुलिस ने उकसावे वाला पोस्ट करने के लिए व्यक्ति के खिलाफ खुद मामला दर्ज किया था और बुधवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि उसे यहां की एक अदालत में पेश किया गया और अदालत ने पुलिस को उसे दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 41ए के तहत एक नोटिस देने का निर्देश दिया। सीआरपीसी की धारा 41ए के तहत प्रावधान है कि ऐसे मामलों में जहां किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी की तत्काल आवश्यकता नहीं है, उसमें पुलिस व्यक्ति को किसी पुलिस अधिकारी के समक्ष पेश होने का निर्देश देते हुए एक नोटिस जारी करेगी। अधिकारी ने बताया कि इसके अनुसार पुलिस ने व्यक्ति को नोटिस जारी किया। इस व्यक्ति को बाद में छोड़ दिया गया।

मूसेवाला के मैनेजर को हाईकोर्ट से नहीं मिली जमानत, लॉरेंस बिश्नोई से बताया था जान को खतरा

चंडीगढ़ । पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्यकांड में उनके करीबी और मैनेजर शगन प्रीत सिंह को हाईकोर्ट से झटका लगा है कोर्ट ने विक्की मिड्डूखेड़ा के कत्ल के मामले में अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने विक्की मिड्डूखेड़ा के कत्ल केस की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। जिसके बाद अब मामले की सुनवाई जुलाई को होगी। शगन प्रीत ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में दो याचिकाएं दायर की थीं। जिनमें शगन प्रीत ने गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई से अपनी जान को खतरा बताया है और पर्याप्त सुरक्षा की मांग की है। इसके साथ ही विक्की मिड्डूखेड़ा के कत्ल में नाम आने के बाद शगनप्रीत ने हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत की भी मांग की है।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने वकील को पूछा कि इस वक्त शगन प्रीत कहां हैं, जवाब में वकील ने बताया कि वह अभी ऑस्ट्रेलिया में हैं और भारत आना चाहते हैं। जिस पर हाईकोर्ट ने कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया में हैं तो उनकी जान को खतरा कैसे हो सकता है। हाई कोर्ट की पीठ ने कहा कि विक्की मिड्डूखेड़ा के कत्ल का मामला बहुत ही विवादास्पद है। हाईकोर्ट ने मामले में सरकार से स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। मिड्डूखेड़ा हत्याकांड में शगनप्रीत का नाम आने के बाद वह ऑस्ट्रेलिया चले गये थे। मूसेवाला की हत्या करने वाले लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह का दावा है कि शगन प्रीत की मूसेवाला ने ही ऑस्ट्रेलिया भागने में मदद की थी। शगनप्रीत मूसेवाला के करीबी थे और मूसेवाला के सारे शो वही मैनेज करते थे। आरोप है कि शगनप्रीत ने ही मिड्?डूखेड़ा के कातिलों की मदद की थी। उसने शार्प शूटर्स के रहने और भोजन की व्यवस्था भी की थी।

बिहार: 40 लाख लोगों ने शौचालय निर्माण के लिए फर्जी तरीके से धन का दावा किया

पटना। बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बुधवार को विधानसभा को बताया कि लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान (एलएसबीए) योजना के तहत राज्य के ग्रामीण इलाकों के करीब 40 लाख लोग शौचालय निर्माण के लिए 12 हजार रुपये दोबारा पाने के लिए फर्जी दावे कर रहे थे। प्रश्नकाल के दौरान पूरक के जवाब में मंत्री ने कहा, ''विभाग के अधिकारी एलएसबीए योजना के तहत राज्य में ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय निर्माण के लिए 12000 रुपये देने के लिए दस्तावेजों की जांच कर रहे थे। उन्होंने बताया कि तब यह पाया गया कि लगभग 40 लाख लोगों ने दोबारा राशि पाने के लिए धोखाधड़ी करके आवेदन किया था। उनके आवेदन खारिज कर दिए गए और सरकार अब उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग ने अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में एलएसबीए के तहत शौचालय निर्माण के लिए लगभग 85 लाख लोगों को राशि जारी की है। लगभग 37 लाख लोगों को शौचालय निर्माण के लिए कुछ अन्य विभागों द्वारा भी धन जारी किया गया था। श्रवण ने कहा कि राज्य सरकार के ''शौचालय निर्माण, घर का सम्मान'' संकल्प को पूरा करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में एलएसबीए के तहत योजनाओं को लागू किया जा रहा है।

मुजफ्फरपुर की लीची के अब शुगर फ्री आम की चर्चा जोरों पर, पकते तक 16 बार बदलता हैं रंग

मुजफ्फरपुर । मुजफ्फरपुर अपनी लीची के लिए देश-दुनिया में मशहूर है। लेकिन, इन दिनों मुजफ्फरपुर की चर्चा लीची के साथ यहां उगने वाले शुगर फ्री आम की वजह से भी खूब हो रही है। दरअसल गर्मी के मौसम में आम खाना हर किसी को पसंद है। फलों का राजा आम की एक से बढ़कर एक किस्में बाजार में उपलब्ध हैं। लेकिन, आम की मिठास की वजह से शुगर के मरीजों के लिए इस फल को खाना मुश्किल होता है, लेकिन, अब बिहार के किसान की बदौलत शुगर के मरीज भी आम का लुत्फ उठा पाएंगे। वैसे आम का मौसम करीब-करीब चला गया है। लेकिन, बिहार में उगने वाले इस रंग बदलू शुगर फ्री आम की चर्चा हर जगह हो रही है। मुजफ्फरपुर जिले के मुशहरी प्रखंड में किसान राम किशोर सिंह के बगीचे में शुगर फ्री आम उगता है। दिखने में ये कहीं से आम नहीं लगता, लेकिन यह फलों के राजा आम की ही एक प्रजाति है, जिस अमेरिकन ब्यूटी कहा जाता है।

मानसून ने देश के कई राज्यों में दी दस्तक, दिल्ली में झमाझम बारिश से लोगों को उमस से मिली राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मानसून ने देश के लगभग सभी राज्यों में दस्तक दे दी है। इसी कड़ी में दिल्ली के कुछ हिस्सों में गुरुवार सुबह तेज बारिश हुई। इसकारण लोगों को भीषण गर्मी और उमस से काफी राहत मिली है। वहीं दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के नोएडा में भी जमकर बारिश हुई। बता दें कि गुरुवार को देश के कई राज्यों में झमाझम बारिश हुई है, जिससे मौसम काफी सुहावना हो गया है। लोगों को गर्मी से राहत मिली है। वहीं राजस्थान में भी मानसून ने प्रवेश कर लिया है। भारतीय मौसम विभाग ने इसकी घोषणा कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक मानसून राजस्थान के टोंक और सीकर तक पहुंच गया है. राजधानी जयपुर सहित कई इलाकों में बारिश जारी है।

वहीं यूपी के कई जिलों में बुधवार से ही बारिश का सिलसिला जारी है। यूपी के पूर्वांचल के कई जिलों में बारिश हो रही है। बारिश के कारण लोगों को तपती गर्मी और उमस से काफी राहत मिली है। कई जगहों पर रुक-रुक कर लगातार बारिश हो रही है। आईएमडी ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून गुरुवार को पूरे उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान के कुछ हिस्सों, पूरी दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है। इसके अलावा ट्वीट कर लिखा कि अरब सागर और गुजरात के शेष हिस्सों, राजस्थान के कुछ हिस्सों, मध्य प्रदेश के शेष हिस्सों, पूरे उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून लगातार मजबूत हो रहा है। मानसून के मजबूत होने की वजह से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में बारिश हो रही है। भारतीय मौसम विभाग ने अपने ताजा पूर्वानुमान में बिहार के बाकी हिस्सों में भी मानसून के मजबूत होने की संभावना जाहिर की है। वहीं असम की बात करें तब वहां बाढ़ के चलते स्थिति और गंभीर होती जा रही है। वहीं मुंबई में बारिश की बात करें तो बीते बुधवार को भी बारिश हुई, जिसके चलते मौसम सुहावना हो गया। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने गुरुवार को भी मुंबई में बारिश की संभावना जाहिर की है।

तेलंगाना में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेंगे पीएम मोदी

-राज्य के पारंपरिक व्यंजन परोसे जाने की उम्मीद

हैदराबाद (एजेंसी)।

तेंलगाना की राजधानी हैदराबाद में भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की होने वाली बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिस्सा लेंगे। हैदराबाद में दो और तीन जुलाई को आयोजित कार्यक्रम दौरान उन्हें तेलंगाना के विभिन्न तरह के पारंपरिक व्यंजन परोसे जाने की उम्मीद है। राज्य के भाजपा नेताओं ने बैठक में हिस्सा लेने वाले अति-विशिष्ट लोगों के भोजन की व्यवस्था करने के लिए करीमनगर की जी। यदम्मा को चुना है और उन्हें यहां हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एचआईसीसी) में आयोजित होने वाली बैठक में नेताओं के लिए भोजन की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एक खबर के मुताबिक यदम्मा ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी नहीं सोचा था कि वह देश के प्रधानमंत्री के लिए भोजन बनाएंगी। यदम्मा ने कहा, 'मैं इस पर विश्वास नहीं कर पा रही हूं। मुझे बहुत खुशी है कि मोदी सर मेरे द्वारा तैयार किए गए भोजन का स्वाद लेने जा रहे हैं। मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि मोदी सर हमारे तेलंगाना के व्यंजनों को पसंद करें।' यदम्मा ने कहा कि उन्हें तीन जुलाई को भोजन बनाने के लिए कहा गया है, जिसके लिए उन्हें एक जुलाई को होटल में आना होगा।

आदिवासी महिला होने के कारण ही दिया द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति चुनाव में समर्थन : मायावती

लखनऊ। बहुजन (एजेंसी)।

समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि सिर्फ अनुसूचित जनजाति की महिला होने के कारण ही उनकी पार्टी ने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति चुनाव के लिए समर्थन देने का ऐलान किया है और इसे सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की हिमायत के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

मायावती ने प्रदेश के सभी 18 मंडलों के वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा अन्य प्रमुख जिम्मेदार पदाधिकारियों की बैठक में देश में अगले राष्ट्रपति के लिए हो रहे चुनाव की चर्चा करते हुए कहा कि बसपा ने अनुसूचित जनजाति समाज की महिला द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का फैसला किसी व्यक्ति अथवा पार्टी विशेष की बजाय अनुसूचित जनजाति समुदाय के बहुजन समाज के अभिन्न अंग होने के नाते किया है। उन्होंने स्पष्ट किया, '' बसपा ने यह फैसला स्वतंत्र होकर किया है तथा यह न तो सत्ताधारी राजग के पक्ष में है और ना ही विपक्षी संप्रग (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) के खिलाफ। इतना जरूर है कि संप्रग ने अपना संयुक्त उम्मीदवार तय करते समय बसपा को कभी भी विश्वास में नहीं लिया और ना ही सलाह-मशविरा किया।'' बसपा अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश में हाल ही में आज़मगढ़ तथा रामपुर लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव के परिणाम आने के तीन दिन बाद एक बैठक में पार्टी पदाधिकारियों को संगठन को ज़मीनी स्तर पर मजबूत बनाने व जनाधार के विस्तार के लिए काम करने को कहा। उन्होंने कहा, ''वैसे तो बसपा का यह प्रयास मजबूत सैद्धान्तिक व राजनीतिक आधारों पर टिका हुआ है, मगर विरोधी ताकतों के साम, दाम, दण्ड, भेद के अलावा जातिवादी संकीर्ण हथकण्डे अपनाने से पार्टी का अपार जनसमर्थन सही समय पर मतों में नहीं बदल पाता, जिसको ध्यान में रखकर पार्टी को काफी काम करना होगा।''

'गुजरात भाजपा का प्रतिनिधिमंडल गलत मंशा से आया था दिल्ली'

सिसोदिया बोले- केजरीवाल मॉडल ऑफ गवर्नेंस में कमियां ढूंढना मुश्किल

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी के उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गुजरात भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गुजरात भाजपा का प्रतिनिधिमंडल अलग मंशा के साथ यहां पर आया था और उनकी नीयत खराब थी। हालांकि उन लोगों ने जिन-जिन मोहल्ला क्लीनिक और स्कूल का दौरा किया है, उन्हें कुछ तो अच्छा दिखा होगा।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात के कुछ भाजपा के नेता दिल्ली के स्कूल और अस्पतालों में कमियां निकालने के लिए बुलाए गए थे। केजरीवाल मॉडल ऑफ गवर्नेंस से आज वो लोग घबराए हुए हैं। मुझे बहुत खुशी है कि गुजरात का प्रतिनिधिमंडल राज्य में आया। इसी तरह सभी राज्यों के प्रतिनिधियों को एक दूसरे के राज्यों में जाना चाहिए। एक दूसरे से सीखना चाहिए, समझना चाहिए। कहीं कमी हो तो वो भी बताना चाहिए। मैं इसे एक अच्छी शुरुआत मानता हूं। इसी बीच उन्होंने कहा कि गुजरात भाजपा के प्रतिनिधिमंडल का हम फिर से स्वागत करेंगे अगर वो फिर से आना चाहते हैं। इसके साथ ही हम चाहेंगे कि हमारा प्रतिनिधिमंडल भी वहां जाए और जैसे कि हमने उनसे कहा था कि आप दिल्ली के जिस कोने में चाहो, जिस स्कूल में चाहो हम वहां पर आपका स्वागत करेंगे लेकिन उन्हें कुछ नुक्श निकालने थे तो वो निकले। उन्होंने कहा कि हमारा प्रतिनिधिमंडल भी वहां (गुजरात) जाएगा।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि मैं इसे एक अच्छी शुरुआत के तौर पर देखता हूं। मैं देखता हूं कि राजनीतिक पार्टियों और सरकारों में मुकाबला भी होना चाहिए और आपस में सीखने की परंपरा भी होनी चाहिए। यहां पर गुजरात के साथ-साथ दूसरे राज्यों के प्रतिनिधिमंडल आते हैं, हम उन्हें सबकुछ दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि वो अलग मंशा से यहां पर आए थे और उनकी नियत खराब थी। इसके बाद भी वो लोग जिन-जिन मोहल्ला क्लीनिक और स्कूल में गए हैं, वहां पर उन्हें कुछ तो अच्छा दिखा होगा तो कुछ तो नया सीखा होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रतिनिधिमंडल को समझ में आया होगा कि केजरीवाल मॉडस ऑफ गवर्नेंस में कमिया ढूढना मुश्किल है।

अग्निपथ को लेकर हंगामा, मानसून सत्र के अंतिम दिन बिहार विधानसभा स्थगित

पटना। (एजेंसी)।

बिहार विधानसभा में केंद्र की सेना में भर्ती संबंधी नई योजना 'अग्निपथ' को लेकर विपक्ष के हंगामे के कारण बृहस्पतिवार को मानसून सत्र के अंतिम दिन सदन की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही मिनट के भीतर स्थगित कर दी गई। बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी के बार-बार सहयोग का आग्रह करने के बावजूद विपक्षी विधायक शांत नहीं हुए और सशस्त्र बलों में भर्ती की नई योजना को वापस लेने तथा प्रदेश में हाल में किए गए विरोध-प्रदर्शन में भाग लेने वालों के खिलाफ दर्ज मामलों को रद्द करने की मांग को लेकर नारेबाजी करते रहे। 'अग्निपथ' योजना को वापस लेने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के खिलाफ आपत्ति व्यक्त करने के लिए उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद भी अपनी कुर्सी से उठ खड़े हुए।

हंगामा जारी रहने पर हजारी ने सदन की कार्यवाही दोपहर के भोजन तक के लिए स्थगित कर दी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और उसके वामपंथी सहयोगियों ने घोषणा की है कि इस योजना पर उनकी चर्चा की मांग के पूरी होने तक वे सदन को चलने नहीं देंगे। सदन के अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा ने उनकी मांग को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि यह मामला राज्य विधानसभा के दायरे से बाहर है। कांग्रेस जो अब खुद को विपक्षी महागठबंधन का हिस्सा नहीं मानती है, उसके नेता अलग से विरोध-प्रदर्शन करते दिखे। कांग्रेस विधायक दल के नेता अजीत शर्मा और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव शकील अहमद खान सहित उसके कई विधायकों ने कार्यवाही शुरू होने से पहले विधानसभा परिसर में हाथों में तख्तियां लिए प्रदर्शन किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पिज्जा खाने वाले हो जाएं सावधान, पिज्जा में निकले शीशे के टुकडे से युवक का मुंह लहुलूहान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भरुच,मौजूदा दौर में युवाओं से लेकर हर उम्र के लौग पिज्जा के दिवाने हो चुके हैं और आए दिन इसकी पार्टी भी करते हैं। ऐसे में पिज्जा खाने वालों के होश उड़ा देने वाली खबर भरुच से सामने आई है। भरुच के एबीसी चौराहे के निकट स्थित एक पिज्जा रेस्टोरंट में ग्राहक पिज्जा खा रहा था। तब अचानक मुंह से खून निकलता देख उसके होश उड़ गए। पिज्जा में शीशे का टुकड़ा था, जिससे ग्राहक के मुंह चोट लगने से खून बहने लगा। लहू बहता देख ग्राहक आग बबूला हो गया और रेस्टोरंट संचालक से इसकी शिकायत की। लेकिन रेस्टोरंट संचालक की ओर से उचित जवाब नहीं मिलने पर ग्राहक ने तुरंत फूड एन्ड ड्रग्स विभाग को घटना की जानकारी दी। सूचना पाते ही फूड एन्ड ड्रग्स विभाग की टीम रेस्टोरंट पर पहुंच गई और खाद्य पदार्थ के सैम्पल लेकर कार्यवाही शुरू कर दी। पिज्जा खरीदने वाले ग्राहक ने भुगतान की रसीद फूड एन्ड ड्रग्स विभाग को दी है। खाद्य पदार्थों में इस प्रकार की चीजें मिलना साफ दर्शाता है कि ऐसे खाद्य पदार्थ बेचने वालों को केवल अपने मुनाफे से मतलब है। ग्राहकों के स्वास्थ्य की उन्हें तनिक भी चिंता नहीं है।

अमित शाह आज गुजरात में,जगन्नाथ मंदिर में मंगला आरती के बाद कई विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में विधानसभा के चुनाव निकट आ रहे हैं, दूसरी ओर विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास का सिलसिला तेज हो गया है। जिसके लिए कभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तो कभी केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गुजरात दौरे बढ़ गए हैं। इसी कड़ी में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह गुजरात दौरे पर आ रहे है। आज शाम तक अमित शाह अहमदाबाद पहुंच जाएंगे। एक जुलाई को अमित शाह विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। जिसका प्रारंभ अमित शाह अहमदाबाद के भगवान जगन्नाथ मंदिर से करेंगे। अहमदाबाद में कल यानी 1 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की 145वीं रथयात्रा निकलने वाली है। हर बार की तरह इस वर्ष भी अमित शाह जगन्नाथजी के आशीर्वाद लेने जाएंगे। शुक्रवार की सुबह अमित शाह सपरिवार भगवान जगन्नाथ की मंगला आरती करेंगे। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह मंगला आरती के बाद कलोल के लिए रवाना होंगे। कलोल में सुबह 9 बजे स्वामीनारायण मिशन मंगल गुरुकुल संचालित यूनिवर्सिटी के एडमिशन ब्लोक का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा 350 करोड़ के खर्च से बनने वाले मल्टी स्पेश्यालिस्ट होस्पिटल का मुहूर्त करेंगे। इसके बाद अमित शाह रूपाल गांव जाएंगे। जहां वरदायिनी माता मंदिर ट्रस्ट रूपाल की ओर से अमित शाह की रजत तुला की जाएगी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं के भाजपा में शामिल होने पर भाजपा नेता की फिसली जबान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट,गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता पार्टी बदल रहे हैं। इसी कड़ी में राजकोट कांग्रेस को फिर एक बार झटका लगा है। राजकोट जिला कांग्रेस के कई नेता आ भाजपा में शामिल हो गए। इस मौके पर भाजपा नेता की जुबान फिसल गई और उन्होंने कहा कि सभी नेता और कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। जिसे सुनकर वहां मौजूद लोग फुसफुसाने लगे। गलती का अहसास होने पर भाजपा नेता ने अपनी गलती को सुधार लिया। जानकारी के मुताबिक राजकोट जिले की लोधिका तहसील पंचायत के सदस्य हितेश खूंट, बोदु केसरिया, मिलन दाफडा के अलावा अलग अलग पांच ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने भी आज भगवा धारण कर लिया।

संजय खूंट और मयूरसिंह जाडेजा पिछले कई दिनों से भाजपा में शामिल होने की तैयारी में थे। आज बाकायदा राजकोट के हेमु गढवी होल में उन्होंने भाजपा जॉइन कर ली। इस मौके पर राजकोट सहकारिता नेता बाबू नसीत की जबान फिसल गई।

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के भाजपा जॉइन करने के मौके पर बाबू नसीत ने कहा कि आज ये सभी नेता और कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं।

बाबू नसीत का बयान सुनकर वहां मौजूद लोगों में फुसफुसाहट शुरू हो गई7 मंच पर बैठे भाजपा के सौराष्ट्र प्रभारी विनोद चावडा समेत अन्य नेताओं ने कहा कि कांग्रेस नहीं भाजपा में शामिल हुए हैं।

आज से अहमदाबाद मण्डल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर एटीवीएम/यूटीएस ऐप के द्वारा

अनारक्षित टिकिट डिजिटल भुगतान के द्वारा प्राप्त किये जा सकेंगे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल के मणिनगर,अहमदाबाद, साबरमती, विरमगाम, कलोल, मेहसाना, पाटण, पालनपुर, गांधीधाम एवं भुज रेलवे स्टेशनों पर यात्री दिनांक 01/07/2022 से एटीवीएम के द्वारा स्वयं अनारक्षित टिकट बूक करके यात्रा कर सकते हैं। तथा दिनांक 01/07/2022 से यूटीएस ऐप पुनः सभी यात्रियों के उपयोग के लिए उपलब्ध है। यूटीएस ऐप के माध्यम से यात्री ऑनलाइन अनारक्षित टिकिट (यात्रा, प्लैटफ़ार्म तथा सीज़न टिकट) डिजिटल भुगतान कर प्राप्त कर सकते हैं। यात्रियों के सुविधा तथा नकदरहित लेनदेन को प्रोत्साहित करने एवं सुगमतापूर्वक इस्तेमाल के लिए एटीवीएम में निम्नलिखित सुविधायें उपलब्ध हैं-

- **एटीवीएम के फीचर** :- एटीवीएम के द्वारा निम्न प्रकार के सुविधाएं प्राप्त किया

जा सकता है-
- यात्रा टिकट
- प्लैटफ़ार्म टिकट
- सीज़न टिकट नवीनीकरण
- स्मार्ट कार्ड रीचार्ज

- **भुगतान का प्रकार** :- एक बार एटीवीएम मे यात्रा विवरण दर्ज करने के बाद, भुगतान के उद्देश्य से तीन विकल्प निम्नानुसार प्रदर्शित होंगे-

-Railway Smart Card
- QR Pay using any UPI app (Powered by Paytm)
- QR Pay using any UPI app (Powered by freecharge)

उपरोक्त स्टेशनों पर उपलब्ध एसएमसी काउंटर से 50 रूपए का भुगतान कर स्मार्ट कार्ड प्राप्त किया जा सकता है तथा कार्ड को एसएमसी काउंटर या https://www.utsonmobile.indianrail.gov.in या एटीवीएम के माध्यम से रीचार्ज कर किराए का भुगतान किया जा सकता है। ऊपर बताए गए दो क्यूआर कोड आधारित विलल्पों में से किसी एक को चुनने पर क्यूआर कोड जेनरेट होगा एवं एटीवीएम स्क्रीन पर प्रदर्शित होगा। प्रदर्शित क्यूआर कोड को किस भी यूपीआई सक्षम ऐप जैसे- Gpay, Paytm, Phonepe इत्यादि के माध्यम से स्कैन कर टिकिट की लागत का भुगतान करके यात्री भौतिक टिकिट प्राप्त कर सकते हैं। स्मार्ट कार्ड को कार्ड रीडर के स्थान पर रखकर भुगतान के लिए क्यूआर कोड का उपयोग करके स्मार्ट कार्ड को इसी प्रकार से रीचार्ज किया जा सकता है।

•क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान सुविधा:- नकदरहित लेन-देन को प्रोत्साहित करने के प्रयास में स्वचालित टिकिट वेंडिंग मशीनों में टिकिट किराए का क्यूआर कोड आधारित भुगतान शुरू किया गया है। क्यूआर कोड के सुविधा का उपयोग करके यात्रा और प्लैटफ़ार्म टिकट लिया जा सकता है, साथ ही साथ सीजन टिकिटों का नवीनीकरण भी कराया जा सकता है। इसके अलावा स्मार्ट कार्ड को एटीवीएम मे उत्पन्न क्यूआर कोड द्वारा भुगतान करके रिचार्ज भी किया जा सकता है।

- यात्रियों को स्मार्ट कार्ड रीचार्ज करने पर रीचार्ज के राशि पर 3% अतिरिक्तराशि बोनस के रूप मे प्राप्त होंगे।
- वर्तमान में सभी अनारक्षित ट्रेनों में केवल मेल/एक्सप्रेस/सुपरफास्ट टिकिट ही जारी होंगे।

पीएम मोदी ने दिल्ली से भेजा भगवान जगन्नाथ जी मंदिर में प्रसाद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद में कल भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा निकलनी है और उससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली से भगवान के लिए प्रसाद भेजा है। पीएम मोदी द्वारा भेजा गया प्रसाद अहमदाबाद के जमालपुर क्षेत्र स्थित भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर में लाया गया। नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब से उन्होंने हर साल भगवान को प्रसाद भेजने की शुरुआत की थी, जिसे दिल्ली पहुंचने के बाद भी बदस्तूर जारी रखा है। पीएम मोदी द्वारा भेजा गया प्रसाद अहमदाबाद महानगर पालिका की स्थायी समिति की अध्यक्ष हितेश बारोट मंदिर में लेकर पहुंचे। पीएम मोदी प्रति वर्ष भगवान के लिए मूंग, जामून और आम इत्यादि भेजते हैं। अहमदाबाद में 145 वर्षों से भगवान जगन्नाथ जी नगरचर्या पर निकलते हैं। 2020 और 2021 में कोरोना संकट के चलते दो साल रथयात्रा नहीं निकली। लेकिन इस बार पहले के वर्षों की भांति धामधूम के साथ रथयात्रा का आयोजन किया है। मंदिर से रथयात्रा के प्रस्थान से पहले राज्य के मुखिया के तौर पर मुख्यमंत्री पहिंद विधि करते हैं। रथयात्रा में पहिंद विधि करने का रिकार्ड नरेन्द्र मोदी के नाम है। रथयात्रा के इतिहास में नरेन्द्र मोदी ने सबसे अधिक बार रथयात्रा में पहिंद विधि की है।